सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 155 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 20 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

कोरबा में मना हिंदू नववर्ष 2083ः दो किमी लंबी रैली निकली, शोभायात्रा में हजारों का सैलाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। हिंदू नव वर्ष के अवसर पर कोरबा शहर में एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस शोभायात्रा की चर्चा छत्तीसगढ़ के साथ-साथ दूसरे राज्यों में भी हो रही है। हिंदू क्रांति सेना और बजरंग दल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा।

हिंदू क्रांति सेना की शोभायात्रा सीतामढ़ी से टीपी नगर चौक के मध्य निकाली गई, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं, बजरंग दल ने कोसाबाड़ी से टीपी नगर के मध्य विशाल शोभायात्रा निकाली, जिसमें भी भारी भीड़ उमड़ी। शोभायात्रा में डीजे की धुन के साथ रंग-बिरंगी लेजर लाइट का प्रदर्शन भी देखने लायक था, जिससे कोरबा का आकाश जगमगा उठा।

शोभायात्रा में शामिल लोगों ने हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं और देश की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। इस शोभायात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंदू संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना है। इस आयोजन से शहर के लोगों में एकता और सामूहिकता की भावना भी बढ़ रही है। सीतामढ़ी से बस स्टैंड तक लगभग 2 किलोमीटर लंबी रैली में छत्तीसगढ़ के कई जिलों से डीजे साउंड का प्रदर्शन हुआ, जिसमें भक्त झूमते हुए नजर आए। रैली में बाहर से आए कलाकारों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा में दक्षिण भारतीय, मलयालम, छत्तीसगढ़ी संस्कृति, मिकी माउस और केरल संस्कृति की झांकियां देखने को मिलीं। शिव भक्त की बारात का प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद थी।

खास-खबर

एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह, डीजीसीए ने जारी की एडवाइजरी

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (ष्ठत्रष्ट) ने देश की सभी एयरलाइंस को खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्रों से बचने और सुरक्षा जोखिम आकलन के बाद आकस्मिक योजनाएं तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। यह कदम यात्रियों और उड़ानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। इससे पहले, डीजीसीए ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के मद्देनजर एअर इंडिया को फ्लाइट ड्यूटी मानकों में अस्थायी छूट देने का फैसला किया था। ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के कारण एअर इंडिया को लंबे वैकल्पिक उड़ान मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिससे उड़ान का समय बढ़ गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीजीसीए ने हालात सामान्य होने तक एअर इंडिया को यह अस्थायी राहत दी है।

पीएम मोदी ने ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की निंदा की

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कतर, फ्रांस,जॉर्डन,ओमान और मलयेशिया के नेताओं से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध में ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाने की भी निंदा की। पांचों देशों के नेताओं से की गई अलग-अलग बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति की पहल की अपील की। साथ ही वैश्विक ऊर्जा संकट को दूर करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। कतर के अमीर तमीम बिन हमद अल थानी के साथ हुई बातचीत में पीएम मोदी ने कहा कि भारत, कतर के साथ है और क्षेत्र में ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर हमलों की कड़ी निंदा करता है।

रायपुर में चलती कार बनी आग का गोला

रायपुर। राजधानी रायपुर में आज शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब आमानाका ओवरब्रिज पर दौड़ रही एक कार में अचानक आग भड़क उठी। घटना उस वक्त हुई जब वाहन सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन अचानक इंजन हिस्से से धुआं निकलने लगा और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तुरंत कार को सड़क किनारे रोका और समय रहते बाहर निकल गया। उसकी तत्परता के कारण किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना सरस्वती नगर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। उस समय ओवरब्रिज पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक पास : डिप्टी सीएम बोले- संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा पर फोकस

छत्तीसगढ़ विधानसभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रस्तुत किया विधेयक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की ओर से पेश छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 को पारित कर दिया गया। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य में धर्मांतरण से संबंधित गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना और नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा सुनिश्चित करना है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह विधेयक सभी नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह कानून उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बदलते समय के साथ कानूनों का अद्यतन आवश्यक हो जाता है। वर्ष 1968 से लागू प्रावधान वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त नहीं रह गए थे। बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में धर्मांतरण से जुड़े विवादों के कारण सामाजिक तनाव और वर्ग संघर्ष की स्थितियां बनीं, जो कई बार प्रशासन और न्यायालय तक पहुंचीं। ऐसे में एक स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की गई, जिससे समाज में बार-बार उत्पन्न होने वाले विवादों को रोका जा सके।

अवैध धर्मांतरण पर 7 से 10 साल की सजा

अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए विधेयक में कड़े दंड के प्रावधान किए गए हैं। जिसमें अवैध धर्मांतरण रोकने के लिए सामान्य अवैध धर्मांतरण पर 7 से 10 वर्ष तक कारावास एवं न्यूनतम 5 लाख रुपए तक जुर्माना, विशेष वर्ग जिसमें महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति, नाबालिग आदि शामिल है, के अवैध धर्मांतरण पर 10 से 20 वर्ष तक कारावास एवं न्यूनतम 10 लाख रुपए जुर्माना, सामूहिक अवैध धर्मांतरण पर 10 वर्ष से आजीवन कारावास एवं न्यूनतम 25 लाख रुपए जुर्माना का प्रावधान है। इसी तरह लोक सेवक द्वारा इस प्रकार का अपराध किया जाता है तो उसे 10 से 20 वर्ष कारावास एवं 10 लाख रुपए तक जुर्माना का प्रावधान किया गया है, वैसे ही धन के माध्यम से धर्मांतरण किए जाने संबंधित व्यक्ति को 10 से 20 वर्ष कारावास एवं 20 लाख रुपए तक जुर्माना का प्रावधान किया गया है। भय या प्रलोभन द्वारा धर्मांतरण पर 10 से 20 वर्ष कारावास एवं न्यूनतम 30 लाख रुपए जुर्माना का भी प्रावधान है। इन अपराधों की पुनरावृत्ति किए जाने पर संबंधित को आजीवन कारावास और पीड़ितों के लिए प्रतिकार व्यवस्था विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है।

पीड़ित को न्याय दिलाने का भी प्रावधान

डिप्टी सीएम ने शर्मा ने बताया कि इस विधेयक में पीड़ितों के हितों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। यदि किसी व्यक्ति का धर्म परिवर्तन दबाव, धोखे या लालच के कारण किया गया पाया जाता है, तो उसे पीड़ित मानते हुए न्यायालय द्वारा क्षतिपूर्ति दिलाने का प्रावधान किया गया है। इससे न केवल पीड़ित को न्याय मिलेगा, बल्कि ऐसे कृत्यों पर प्रभावी रोक भी लगाई जा सकेगी।

धर्म परिवर्तन के लिए करना होगा आवेदन

विधेयक में धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। अब धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष आवेदन देना होगा, जिसके बाद निर्धारित समय-सीमा में सूचना सार्वजनिक की जाएगी और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। धर्म परिवर्तन किसी दबाव, प्रलोभन या भय के कारण न हो, इसकी जांच अनिवार्य होगी। जांच के उपरांत ही प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

अवैध धर्मांतरण पर होगा नियंत्रण : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पारित किए जाने पर कहा अवैध धर्मांतरण के खिलाफ मील का पत्थर बताया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले कुछ समय से समाज के कमजोर वर्गों को निशाना बनाकर प्रलोभन, दबाव अथवा भ्रम फैलाकर धर्मांतरण कराने की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि नए विधेयक के लागू होने से ऐसी प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और समाज में संतुलन तथा विश्वास कायम रहेगा। अब धर्म परिवर्तन से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया को विधिसम्मत और पारदर्शी बनाना अनिवार्य होगा। इसके तहत संबंधित पक्षों को पूर्व में ही प्राधिकृत अधिकारी को सूचित करना होगा, जिसके बाद आवेदन की सार्वजनिक सूचना जारी कर निर्धारित समयसीमा में उसका परीक्षण किया जाएगा।

पोल्ट्री फार्म की दुर्गंध ने ली नवजात की जान

सारण। जिले के नयागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत राजापुर गांव में संचालित अवैध पोल्ट्री फार्मों से फैल रही दुर्गंध के कारण 30 दिन के एक नवजात शिशु की गुरुवार देर शाम मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शिशु तेज दुर्गंध को सहन नहीं कर सका, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और अंततः उसकी जान चली गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही नयागांव थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आवेदन के आधार पर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। एक महीने के नवजात की मौत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर चिंता बढ़ा दी है, वहीं अवैध रूप से संचालित पोल्ट्री फार्मों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारतीय रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में कमजोर होकर अपने रिकॉर्ड इंट्रा-डे निचले स्तर पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे टूटकर पहली बार 93 के स्तर को पार करते हुए 93.08 पर कारोबार करता दिखा। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 92.92 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही गिरकर 93.08 तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट पिछले बंद स्तर की तुलना में 19 पैसे की कमजोरी को दर्शाती है। बुधवार को रुपया 49 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 92.89 पर बंद हुआ।

रायगढ़ में मिली अफीम की खेती: डेढ़ एकड़ में उगाई गई फसल, 15 दिन में चौथा मामला

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस, जांच जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में अफीम की अवैध खेती पकड़ी गई है। तमनार ब्लॉक के आमाघाट में करीब डेढ़ एकड़ में अफीम उगाई जा रही थी। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार झारखंड के एक व्यक्ति के जरिए यह खेती कराई जा रही थी। आमाघाट के किसान से तरबूज, ककड़ी उगाने के लिए खेत लिया गया था। पुलिस ने 1 आरोपी मार्शल सांगां को हिरासत में लिया है। वह झारखंड का ही रहने वाला है।

अफीम की खेती का पहला मामला दुर्ग में मिला। जिले के समोदा में भाजपा नेता विनायक ताम्रकर पिछले 5 साल से अफीम की अवैध खेती कर रहा था। ग्राम समोदा और झेनझरी के बीच स्थित फार्महाउस में करीब 5 एकड़ 62 डिसमिल क्षेत्र में उसने फसल लगवाई थी। 7 मार्च को यह

अवैध खेती पकड़ी गई और उसके खेत से 7.88 करोड़ रुपए के अफीम के पौधे जब्त किए गए थे। इसी प्रकार10 मार्च को बलरामपुर जिले के कुसमी में त्रिपुरी घोसराडांड़ में अवैध अफीम की 3.67 एकड़ में खेती पकड़ी गई थी। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया और करीब 4.75 करोड़ रुपये मूल्य की 4,344 किलोग्राम अफीम जब्त किया था। बलरामपुर में पहला मामला सामने आने के ठीक 2 दिन बाद 12 मार्च फिर एक अफीम का खेत पकड़ाया। जहां कोरंधा में 3 किसानों के करीब ढाई एकड़ जमीन पर अफीम लगी हुई थी। ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम ने अफीम उखड़वा दिया था।

बालोद में युवक पर जानलेवा हमला गले और सिर पर किए कई वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के ग्राम मटिया में शुक्रवार सुबह पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में 26 वर्षीय हितेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह करीब 6 बजे हुई। कुछ युवकों ने हितेश्वर को अकेले में मिलने के बहाने बुलाया था। जैसे ही वह वहां पहुंचा, पहले से घात लगाए 4 से 5 आरोपियों ने उस पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। हमलावरों ने युवक के गले और सिर पर कई वार किए। हितेश्वर लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से तुरंत फरार हो गए।

स्थानीय लोगों और परिजनों ने घायल हितेश्वर को तत्काल जिला अस्पताल बालोद पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति देखी। शरीर पर गहरे जख्मों को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उसे उच्च स्तरीय इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। युवक की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि यह पूरी घटना आपसी विवाद का परिणाम है। यह हमला पुरानी रंजिश के कारण हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही बालोद थाना पुलिस सक्रिय हो गई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल का मुआयना किया। आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस जल्द ही हमलावरों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा-3 लागू, तेल और गैस कंपनियों को डेटा साझा करने का आदेश

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच सरकार का फैसला

नईदिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तेल और गैस के वैश्विक संकट के चलते सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा-3 को लागू कर दिया है। इस कानून के लागू होने के बाद पेट्रोलियम उत्पादों और प्राकृतिक गैस के उत्पादन, प्रसंस्करण, शोधन, भंडारण, आयात-निर्यात, मार्केटिंग और उपभोग से जुड़ी सभी कंपनियों को सरकार के पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) में ताजा डेटा साझा करना अनिवार्य हो गया है।

पीपीएसी तेल मंत्रालय का डेटा इकट्ठा करने वाला विभाग है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत सरकार ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है, जिसके

अनुसार, पीपीएसी को सूचनाओं को इकट्ठा करने, संकलन करने, रखरखाव करने और विश्लेषण करने वाली एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। इससे तेल मंत्रालय को आपात स्थिति में योजना बनाने में मदद मिलेगी। आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 के तहत जारी किसी भी आदेश का उल्लंघन अपराध माना जाता है और इसके उल्लंघन पर जेल की सजा भी हो सकती है।

जानिए क्या है यह अधिनियम

आवश्यक वस्तु अधिनियम सरकार को यह शक्ति देता है कि वे नागरिकों को उचित कीमतों पर जरूरी चीजें उपलब्ध कराऐ। जमाखोरी, कालाबाजारी और कृत्रिम तौर पर चीजों की कमी पैदा होने से रोके। एक तरह से यह कानून, देश में खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने में मददगार है। इस कानून की धारा 3 के तहत केंद्र सरकार जरूरी चीजों के उत्पादन, आपूर्ति और वितरण को नियंत्रित कर सकती है। सरकार स्टॉक सीमा लगा सकती है और व्यापार को भी विनयमित कर सकती है। कीमतें तय कर सकती है और जमाखोरी पर रोक लगा सकती है। इस कानून की धारा 5 के तहत केंद्र सरकार धारा 3 के तहत मिलने वाली शक्तियों को राज्य सरकारों को सौंप सकती है, ताकि जमीनी स्तर पर इस कानून को लागू किया जा सके।

संपादकीय

खौफ का खेल

चंडीगढ़ तक पहुंची गैंगवार की तपिश

सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ कुछ समय पहले तक, अपनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये मशहूर रहा है। इस शहर को लंबे समय तक हिंसा व अपराधों से सुरक्षित माना जाता रहा है। लेकिन विडंबना है कि अब यह तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। पिछले दिनों चंडीगढ़ का पॉश इलाका माने जाने वाले सेक्टर नौ में एक युवा प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हुई चौंकाने वाली हत्या ने शहर की शांति व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा की सावधानीपूर्वक बनायी गई इस केंद्रशासित प्रदेश की छवि को धूमिल किया है। निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में, इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरुआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है। यह हत्याकांड एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करता है कि अब संगठित अपराध उन शहरी केंद्रों में लगातार बढ़ रहे हैं, जिन्हें कभी इस तरह की गैंगवार से अछूता समझा जाता था। माना जाता रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस यथाशीघ्र अपराध की जड़ तक पहुंचकर अपराधियों पर शिंकजा कसने में सफल रहती है। यह चौंकाने वाली बात है कि हाल के वर्षों में पंजाब में गैंगवार में होने वाली हिंसा और जबरन वसूली के रैकेट में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जिसका सबसे प्रमुख उदाहरण मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या है। निस्संदेह, सेक्टर नौ में दिनदहाड़े हुई हत्या से साल 2017 में हुए आकांक्षा सेन हत्याकांड की टीस एक बार फिर उभर आई। यह भी एक ऐसा ही हाई-प्रोफाइल मामला था। जिसमें न्याय मिलने में लगातार हुई देरी के कारण आज भी लोगों के मन में गहरी कसक व्याप्त है। निस्संदेह, दोनों ही हत्याकांडों से जुड़ी समानताएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। मसलन, अपराध सार्वजनिक रूप से हुए हैं। जिससे अपराध को रोकने की पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें एक सवाल जवाबदेही का भी है।

> “ निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में, इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरुआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है।

वास्तव में इस तरह सरेआम दिन दहाड़े होने वाले अपराध सार्वजनिक विमर्श में कई संवेदनशील सवालों को जन्म देते हैं। इस घटना से जुड़ा सबसे चिंताजनक पहलू है हत्याकांड में शामिल रहे अपराधियों का दुस्साहस। निर्विवाद रूप से सार्वजनिक स्थल के बाहर दिन-दहाड़े की गई हत्या बताती है कि ये अपराधियों में कानून-व्यवस्था के प्रति डर समाप्त होने का संकेत है। जिसके परिणामस्वरूप कानून प्रवर्तन की निवारक क्षमता कमजोर हो जाती है। निस्संदेह, इस तरह की घटनाओं को लेकर खुफिया जानकारी जुटाने, पुलिस समन्वय और ऐसे हमलों को रोकने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। कोई शक नहीं कि चंडीगढ़ को अब किसी भी तरह की लापरवाही का शिकार बनने नहीं दिया जा सकता। प्रशासन को प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय सक्रिय और खुफिया जानकारी आधारित रणनीति अपनानी होगी। निश्चित रूप से ऐसे अपराधों पर तभी अंकुश लगाना संभव हो पाएगा, जब पुलिस का लक्ष्य आपराधिक गिरोहों, उनकी आर्थिक मदद करने वालों तथा उनके सहयोगियों के गठजोड़ को नेस्तनाबूद करना होगा। इसमें दो राय नहीं कि आपराधिक मामलों में तुरंत जांच, पुलिस की प्रत्यक्ष उपस्थिति और समय पर न्याय मिलने से न केवल जनता का विश्वास बहाल होगा, बल्कि शहरों को आने वाले समय में ऐसे गैंगवार से जुड़ी हिंसा से भी बचाया जा सकेगा। निस्संदेह, नई तकनीक और इंटरनेट आधारित आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये हाइटैक पुलिस की जरूरत होगी। नई तकनीक जहां अपराधियों का हथियार बनती है, वहीं उन पर शिकंजा कसने में मददगार हो सकती है। बशर्ते इन संसाधनों का उपयोग सावधानी व तत्परता से किया जाए। तब अपराधियों की गैंगवार पर नकेल डालने में खुफिया जानकारी और आधुनिक तकनीक खासी मददगार हो सकती हैं। सिटी ब्यूटीफुल में कानून व्यवस्था की खूबसूरती बचाने के लिये जरूरी कदम उठाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यही वक्त की मांग भी है।

ईद तक टला टकराव मगर तनातनी बरकरार

पुष्परंजन

भारत ने मंगलवार को अफ़ग़ानिस्तान की राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी आलोचना की। भारत ने इसे 'सैन्य अभियान की आड़ में किया गया नरसंहार' और अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया।

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने बुधवार को ईद-उल-फितर से पहले दुश्मनी में कुछ समय के लिए रोक लगाने का ऐलान किया। इस्लामाबाद और काबुल द्वारा अलग-अलग ऐलान किया गया कि सीज़फ़ायर 18/19 मार्च की आधी रात से 23/24 मार्च की आधी रात तक लागू रहेगा, दोनों पक्षों ने चेतावनी दी है कि किसी भी उल्लंघन पर मिलिट्री ऑपरेशन तुरंत फिर से शुरू हो सकते हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने कहा, कि यह फैसला आने वाले इस्लामिक त्योहार को देखते हुए और अच्छी नीयत से लिया गया है। तरार बोले, 'आने वाले इस्लामिक त्योहार ईद-उल-फितर को देखते हुए, 'भाई इस्लामिक देशों' की गुज़ारिश पर 'ऑपरेशन ग़ज़ब-लिल-हक' के बीच कुछ समय के लिए रोक लगाने का फैसला किया है।'

पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने कहा कि यह रोक 'अच्छी नीयत और इस्लामिक नियमों के हिसाब से' लगाई जा रही है, लेकिन यह साफ किया कि यह समझौता शर्तों पर है। बयान में चेतावनी दी गई, 'पाकिस्तान के अंदर किसी भी क्रॉस-बॉर्डर हमले, ड्रोन हमले या आतंकवादी घटना की स्थिति में, 'ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक' नई तेज़ी के साथ शुरू होगा।'

दूसरी तरफ अफगान तालिबान शासन ने भी 'डिफेंसिव ऑपरेशन (रद-उल जुल्म)' कहे जाने वाले अभियान पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की पुष्टि की है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि ईद-उल-फितर के मौके पर हम भी ख़ामोश रहेंगे। मुजाहिद ने कहा, 'इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान की सिक्योरिटी और डिफेंस फोर्स, ईद-उल-फितर के मौके पर 'डिफेंसिव ऑपरेशन्स (रद-उल-जुल्म)' को कुछ समय के लिए सस्पेंड करने की घोषणा करती हैं।' उन्होंने सऊदी अरब, तुर्की और कतर की 'अच्छी नीयत और कंस्ट्रक्टिव कोशिशों' की तारीफ की, साथ ही दोहराया कि 'किसी भी खतरे की हालत में, इस्लामिक अमीरात मज़बूती से जवाब देगा।'

हालांकि दोनों पक्षों ने इसे सशर्त अस्थाई रोक बताया है, फिर भी जानकार सावधानी से देख रहे हैं, कि क्या इस पहल से बड़े पैमाने पर बातचीत का रास्ता बन सकता है? यह कदम पाकिस्तान के काबुल में नए एयरस्ट्राइक शुरू करने के दो दिन बाद आया, जिसमें करीब 400 से अधिक सिविलियन मारे गए हैं। एक प्राइवेट टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया, और कहा कि काबुल में हालिया हमले का मुख्य टारगेट एक डिपो था, जिसमें अफगान तालिबान का गोला-बारूद, हथियार और ड्रोन थे।

डीजी आईएसपीआर ने कहा कि यह ऑपरेशन अफगान तालिबान द्वारा पाकिस्तानी चेक पोस्ट पर किए गए 53 हमलों के जवाब में किया गया था। उन्होंने आम लोगों के मारे जाने की खबरों को प्रोपेगैंडा बताते हुए उसे खारिज कर दिया, यह दावा करते हुए कि तालिबान लड़ाके अक्सर यूनिफॉर्म नहीं पहनते हैं, और इसके बजाय आम लोगों के कपड़े पहनते हैं, और तालिबान सुसाइड हमलों के लिए ड्रग एडिक्ट्स का भी इस्तेमाल करते हैं। पाकिस्तान का झूठ एक्सपोज़ करने के वास्ते अफगानिस्तान में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की प्रभारी वेरोनिका बोस्कोविक पोहार ने कज़ाकिस्तान के राजदूत और अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काबुल में उस नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया, जिसे मंगलवार की सुबह पाकिस्तान के सैन्य शासन द्वारा निशाना बनाया गया था।

डीजी आईएसपीआर ने आरोप लगाया, कि हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ अफगान तालिबान ने जिन ड्रोन का इस्तेमाल किया, उन्हें भारत सप्लाई कर रहा था। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पाकिस्तान का अफगान लोगों से कोई झगड़ा नहीं है, जो खुद आतंकवादियों के बंधक हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है, और दावा किया कि आतंकवादी गतिविधियों के पीछे भारत का हाथ है। चीन खामोशी से दोनों तरफ के हमले देख रहा है। अफ़ग़ानिस्तान को सैन्य मदद चीन से भी मिली है। वर्ष 2021 में तालिबान के कब्जे के बाद से, चीन ने पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट को रोकने के लिए, अफ़ग़ानिस्तान को मिलिट्री ट्रेनिंग और हार्डवेयर प्रदान किए हैं। लेकिन रावलपिंडी की हिम्मत नहीं, कि वह चीन के ख़िलाफ चूं भी बोले।

त्रालाई मस्जिद हमले का ज़िक्र करते हुए डीजी आईएसपीआर ने कहा कि इसमें बेगुनाह लोग मारे गए। हमलावर अफगानिस्तान से आया था, जहां उसने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने वाना कैडेट कॉलेज पर हुए हमले का भी ज़िक्र किया, और कहा कि मारे गए सभी पांच हमलावर अफ़ग़ान नागरिक थे। उन्होंने कहा कि पुलिस, आम लोगों, और मस्जिदों पर हमले किए जा रहे हैं। इन आतंकी संगठनों के सरगना अफ़ग़ानिस्तान में हैं। पाकिस्तान ने अपनी नवीनतम सैन्य कार्रवाई को ऑपरेशन ग़ज़ब-लिल-हक नाम दिया। इसका अर्थ 'सत्य के लिए क्रोध' या 'न्याय के लिए रोष' समझा जाता है। पिछले दो दशकों में, पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अधिकांश अभियानों को धार्मिक नाम दिए गए हैं। धार्मिक एंगल पाकिस्तानी अवाम से राजनीतिक फ़यदे के वास्ते भी है।

15 जून, 2014 को, अफगानिस्तान की सीमा से लगे एक कबायली क्षेत्र, उत्तरी वज़ीरिस्तान में, सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ़ ऑपरेशन ज़र्ब-ए-अज़ब शुरू किया था। जिसका सामूहिक अर्थ है 'सत्य की तलवार का प्रहार'। फरवरी 2017 में, पाकिस्तानी सेना ने आतंकवाद को खत्म करने के लिए चारों प्रांतों में राष्ट्रव्यापी तलाशी अभियान चलाया और ऑपरेशन 'रद-उल-फसाद' के तहत कई व्यक्तियों को हिरासत में लिया, जिसका अर्थ है 'अव्यवस्था और आतंकवाद का उन्मूलन'।

एकाध बार अंग्रेजी नाम भी पाकिस्तान ने रखे, मसलन, 2019 में भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान, पाकिस्तान ने भारतीय हवाई हमलों के जवाब में ऑपरेशन स्विफ्ट रिटॉर्ट (त्वरित प्रतिक्रिया) की घोषणा की, जिसमें भारतीय पायलट अभिनंदन वर्धमान को पकड़ लिया गया था। पाकिस्तान ने 1990 के दशक की शुरुआत में अफ़ग़ान तालिबान बनाने में मदद की थी। वर्ष 2001 में अफगानिस्तान पर अमेरिकी कब्जे के दौरान कई तालिबान लीडर पाकिस्तान में छिपे थे। तब अमेरिकी विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पाकिस्तानी नेताओं से कहा था, 'आप अपने घर के पीछे सांप नहीं पाल सकते और उम्मीद नहीं कर सकते कि वे सिर्फ़ आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे।'

भारत ने मंगलवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी आलोचना की। भारत ने इसे 'सैन्य अभियान की आड़ में किया गया नरसंहार' और अफ़ग़ानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला करार दिया। पाकिस्तान यदि भारत पर हमले के लिए चीनी हथियार का सहारा ले तो सही। अफ़ग़ानिस्तान, भारत से सैन्य मदद ले, तो ग़लत। भारत यदि तालिबान से सैन्य सहयोग समझौता कर चुका है, तो उसे खुलकर मदद करने में कोई बुराई नहीं है। दुश्मन का दुश्मन, दोस्त होता है!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आजकल के स्कूली बच्चे इकोनॉमिक्स की जगह पर्सनल फॉइनेंस चुन रहे हैं

एन. रघुरामन

स्कूल अपने विद्यार्थियों को असल दुनिया के लिए कैसे तैयार कर सकते हैं? यहां एक तरीका है। हालांकि, मैं यह नहीं कह रहा कि यही एकमात्र तरीका है। चलिए शुरू करें। क्लासरूम में बैठे उन बच्चों के पास स्कूल खत्म करके अपने ड्रीम कॉलेज में जाने के लिए दो साल और हैं।

उन सभी ने उत्साह से अपने लैपटॉप खोले, क्योंकि यह क्लास उनके भविष्य के बारे में है और वे अपने भविष्य के आर्किटेक्ट बनने वाले हैं। जी हां, वे अपनी मौजूदा आर्थिक स्थिति और यह असलियत जानने वाले हैं कि अपनी ड्रीम यूनिवर्सिटी या सपनों के राज्य, देश में ग्रेजुएशन के लिए कितने पैसे जरूरी होंगे।

उन्हें पहले ही टीचर से कॉमन स्प्रेडशीट मिल चुकी है, जिनके खुद के लैपटॉप की स्क्रीन स्मार्ट क्लासरूम के स्क्रीन पर दिख रही है। छात्र अपने इनबॉक्स से उस स्प्रेडशीट को मेन स्क्रीन पर लाते हैं। उसमें कई कॉलम हैं और छात्रों को एक-एक करके हर कॉलम भरना है, ताकि वे एडमिशन, रहने, खाने, हॉस्टल और बाकी खर्चों की सालाना लागत पता कर सकें। जैसे ही अनुमानित मासिक और सालाना खर्च सारे लैपटॉप पर दिखता है, क्लासरूम में शोर मच जाता है। क्योंकि ये रकम देख सारे युवा अचंभे में पड़ जाते हैं। टीचर उन पर हंसते हैं।

लागत जोड़ने के बाद उनसे पूछा जाता है कि क्या वे खर्चा कम करने के लिए स्कॉलरशिप एग्जाम में कॉम्पीट करना चाहते हैं। साथ में एक प्लान शीट भी अटैच्ड होती है, जिससे वे प्लान कर सकते हैं कि स्कॉलरशिप एग्जाम में कैसे अच्छा स्कोर किया जाए। इसकी वजह से बच्चों में पढ़ाई की रुचि बढ़ती है। फिर एक बजट ट्रैकर होता है, जिसमें दो कॉलम होते हैं।

इसमें विद्यार्थी 6% ब्याज दर पर एजुकेशन लोन ले सकते हैं और उसकी ईएमआई अपने भविष्य की संभावित सैलरी से कटा सकते हैं। पहले उन्हें अपने संभावित खर्चे भी लिखने होते हैं। टीचर उन्हें बताते हैं कि सैलरी से 12% राशि काम पर आने-जाने के ट्रांसपोर्ट खर्च के लिए अलग रखें। राज्य, शहर, ऑफिस, लोकल किराया- सब इसमें शामिल होता है। यह क्लास कुछ महीने चलती है ताकि वे उस असल दुनिया की तस्वीर देख सकें, जिसमें वे जीना चाहते हैं। धीरे-धीरे क्लास में उन्हें निवेश, टैक्स, रियल एस्टेट और अन्य जरूरी बातों के बारे में भी बताया जाता है।

अगर आप सोच रहे हैं कि यह कहां हो रहा है तो बता दूं कि अमेरिका के 22 राज्यों ने कक्षाओं में इकोनॉमिक्स की जगह पर्सनल फाइनेंस की पढ़ाई को चुना है। सीमित संसाधनों वाली दुनिया में ज्यादातर स्कूल कॉन्सेप्चुअल के बजाय प्रैक्टिकल एजुकेशन को प्राथमिकता देना चाहते हैं। शॉप क्लासेस में भी इस बदलाव पर जोर दिया जा रहा है, क्योंकि अब ब्लू कॉलर जॉब्स अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं और व्हाइट कॉलर कम हो रहे हैं।

आजकल छात्रों को असल दुनिया में कदम रखते ही कठिन आर्थिक फैसले लेने पड़ते हैं। कई युवा, जो खुद का काम करना चाहते हैं, उन्हें समझाया जाता है कि पैसा उधार लेना कितना आसान है लेकिन चुकाना कितना मुश्किल। जीवनयापन का खर्च बढ़ाने वाले महामारी या मौजूदा युद्ध जैसे संकटों में संभवत: वे लोग बेहतर आर्थिक फैसले करते हैं, जिन्होंने हाई स्कूल में अनिवार्य तौर पर फाइनेंशियल एजुकेशन ली हो- बजाय उनके, जिन्होंने ये शिक्षा नहीं ली। भले ही पर्सनल फाइनेंस सीखने की कोई अनिवार्य ट्रेनिंग नहीं है, लेकिन बहुत-से लोग इसे चाव से सीख रहे हैं।

फंडा यह है कि संभव हो तो छात्रों को असल दुनिया के लिए तैयार करने के लिए इकोनॉमिक्स की जगह पर्सनल फाइनेंस का विषय पढ़ाएं। क्योंकि दुनिया उम्मीद से अधिक अनिश्चितता भरी हो रही है और बच्चों के लिए यह समझना जरूरी है कि सपने पूरे करने के लिए उन्हें कितने पैसे की जरूरत होगी। यही उन्हें असल आईना दिखाएगा।

एक वोट का वजन और घर की दरारें

दिनेश भारद्वाज

आखिरकार, 0.34 वोट का यह अंतर हमें उस मूल प्रश्न की ओर वापस ले जाता है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लोकतंत्र की असली शक्ति क्या है? यह केवल बहुमत का खेल नहीं, बल्कि विश्वास, अनुशासन और जिम्मेदारी का तंत्र है। हरियाणा के हालिया राज्यसभा चुनाव ने एक पुरानी लेकिन अक्सर भुला दी जाने वाली सच्चाई को फिर सामने ला दिया है। लोकतंत्र में कोई भी जीत 'छोटी' नहीं होती और कोई भी चूक 'मामूली' नहीं होती। महज 0.34 वोट के अंतर से तय हुआ परिणाम केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारी राजनीति के बदलते चरित्र का संकेत है।

पहली नजर में यह चुनाव एक साधारण गणित जैसा दिखता था। विधानसभा में संख्या संतुलन ऐसा था कि एक सीट भाजपा और एक कांग्रेस के खाते में जाती हुई दिखाई दे रही थी। लेकिन जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा, यह साफ हो गया कि अब राजनीति केवल अंकगणित नहीं रही; यह रणनीति, मनोविज्ञान और प्रबंधन का जटिल मिश्रण बन चुकी है। भाजपा द्वारा निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदल को समर्थन देकर मैदान में उतारना इसी बदलाव का प्रतीक था। यह कदम जीतने से ज्यादा विपक्ष को अस्थिर करने की कोशिश था और इस मायने में वह सफल भी रही। कांग्रेस के भीतर हुई क्रॉस वोटिंग ने यह साबित कर दिया कि राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी चुनौती अब विपक्ष नहीं, बल्कि अपने ही घर के भीतर पैदा हो रही दरारें हैं।

कांग्रेस के लिए यह परिणाम जितना राहत देने वाला है, उतना ही असहज करने वाला भी। जीत दर्ज हो गई, लेकिन जिस तरह यह जीत किनारे पर जाकर मिली, उसने संगठन की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी। पांच विधायकों का पार्टी लाइन से हटकर मतदान करना केवल असंतोष का संकेत नहीं, बल्कि संवादहीनता और नेतृत्व की सीमाओं की ओर भी इशारा करता है। राज्यसभा चुनाव में व्हिप लागू न होने की संवैधानिक व्यवस्था अपनी जगह है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए यह एक नैतिक कसौटी जरूर बन जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम में यदि कोई पक्ष अपने कौशल के कारण उभरकर सामने आया है, तो वह है चुनावी प्रबंधन। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस चुनाव में कांग्रेस की जीत उसके संख्याबल से ज्यादा उसके प्रबंधन की जीत है। संकट की स्थिति में नेतृत्व का सक्रिय होना, विधायकों को एकजुट रखना और संभावित नुकसान को सीमित करना, ये सभी तत्व इस बात को रेखांकित करते हैं कि आज की राजनीति में संगठनात्मक पकड़ कितनी निर्णायक हो गई है। लेकिन यही स्थिति एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है। क्या राजनीतिक दल अब संस्थागत मजबूती के बजाय व्यक्तित्व-आधारित प्रबंधन पर निर्भर होते जा रहे हैं? यदि किसी एक नेता की सक्रियता से ही जीत और हार तय हो रही है, तो यह दीर्घकाल में संगठन के लिए कितना टिकाऊ मॉडल है?

उम्मीदवार चयन की प्रक्रिया भी इस चुनाव में चर्चा का विषय रही। जब केंद्रीय नेतृत्व स्थानीय समीकरणों को नजरअंदाज कर निर्णय लेता है, तो वह केवल एक नाम तय नहीं करता, बल्कि संगठन के भीतर संदेश भी भेजता है। कांग्रेस नेतृत्व ने भी तो एकदम नये कर्मवीर बौद्ध को प्रत्याशी बनाकर बैठे-बिठाए विधायकों की नाराजगी मोल ली। यह चुनाव उस निर्णय की परीक्षा था, जिसमें सफलता तो मिली, लेकिन वह सहज नहीं थी। यह संकेत है कि जमीनी राजनीति को समझे बिना लिए गए फैसले हमेशा जोखिम के साथ आते हैं।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण पहलू रहा, वह था रद्द हुए वोट। तकनीकी कारणों से अमान्य हुए वोटों ने यह दिखाया कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं कितनी संवेदनशील होती हैं। एक छोटी-सी प्रक्रिया संबंधी गलती, जो सामान्य परिस्थितियों में नजरअंदाज हो सकती है, यहां निर्णायक बन गई। यह केवल राजनीतिक दलों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे चुनावी तंत्र के लिए भी एक सीख है। आमतौर पर जान-बूझकर वोट रद्द करवाने की परंपरा भी रही है। ऐसा अकेले हरियाणा ही नहीं, दूसरे सूबों में भी अकसर देखा गया है।

हरियाणा की राजनीति में निर्दलीय उम्मीदवारों की भूमिका भी इस बार फिर रेखांकित हुई। भले ही वे जीत नहीं सके, लेकिन उन्होंने यह साबित कर दिया कि तीसरा विकल्प केवल औपचारिकता नहीं होता। यह उस राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा है, जहां व्यक्तिगत समीकरण और अवसरवादिता दलगत सीमाओं को चुनौती देते रहते हैं। चुनाव के बाद जिस तरह से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं हरियाणा विधानसभा में हंगामा, आरोप-प्रत्यारोप और संगठनात्मक कार्रवाई की चेतावनियां के रूप में सामने आई, वे भी इस बात का संकेत हैं कि यह परिणाम केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि आने वाले समय की राजनीति को प्रभावित करने वाला मोड़ है।

भाजपा के लिए यह चुनाव यह संदेश लेकर आया है कि रणनीतिक आक्रामकता से वह विपक्ष को असहज कर सकती है, भले ही हर बार जीत हासिल न हो। वहीं कांग्रेस के लिए यह स्पष्ट चेतावनी है कि केवल संख्याबल पर्याप्त नहीं है, संगठनात्मक एकजुटता और आंतरिक विश्वास ही उसकी असली ताकत हो सकते हैं। आखिरकार, 0.34 वोट का यह अंतर हमें उस मूल प्रश्न की ओर वापस ले जाता है, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लोकतंत्र की असली शक्ति क्या है? यह केवल बहुमत का खेल नहीं, बल्कि विश्वास, अनुशासन और जिम्मेदारी का तंत्र है।

हरियाणा का यह चुनाव हमें यही याद दिलाता है कि लोकतंत्र में परिणाम आखिरी क्षण तक तय नहीं होते। और जब फैसला होता है, तो वह केवल जीत या हार नहीं होता, वह एक संदेश होता है। संदेश यह कि राजनीति में अब केवल संख्या नहीं, बल्कि संबंध, रणनीति और समय पर लिए गए फैसले ही असली फर्क पैदा करते हैं। और कांग्रेस की परीक्षा अभी खत्म नहीं हुई है बल्कि पार्टी को आगे भी तैयार रहना होगा।

मिसाइलों के खौफ में बैंगन का भर्ता

जनकलाल की चीखने की आवाज आई, गो कि कोई मिसाइल आ गिरी हो, 'हे भगवान! ये क्या किया आपने? बैंगन को प्याज की तरह बारीक-बारीक कतर दिया है और प्याज को भरवां बैगन की तरह।'

युद्ध जारी है। छुट्टी का दिन युद्ध की विभीषिका से तबाह हो रहा है। जनकलाल टीवी के सामने डटे हुए हैं। एंकर असल युद्ध से ज्यादा बमबारी कर रहे हैं। मिसाइलें दाग रहे हैं। हवाओं में बारूद की गंध फैला रहे हैं। ईरान में होने वाली बमबारी की धमक उनके घर में महसूस हो रही है। इसी बीच जनकलाल ने रसोई से फायरिंग शुरू कर दी, 'अजी सुनते हो! कब तक टीवी के सामने जमे रहोगे? पूरा दिन हो गया है। अरे चिंटू के पापा! ये युद्ध है, टी-20 का मैच नहीं है जो सुबह शुरू हुआ और शाम को ख़तम हो जाएगा।' जनकलाल सतर्क हो गए। हालांकि, वे टीवी के सामने से हिल नहीं पा रहे थे। जैसे वे डरे हुए थे कि टीवी के सामने से हटेंगे और कोई भटकी हुई मिसाइल उनके घर पर आ गिरेगी!

युद्ध की विभीषिका में फंसे जनकलाल को निकालने के लिए जनकलाल को युद्ध के मैदान में कूदना पड़ा। उन्होंने पारंपरिक योद्धा की भांति एक हाथ में ढाल और दूसरे में बड़ा-सा चाकू थाम रखा था। जनकलाल उन्हें देखकर घबरा गए। पीठ दिखाकर भागना मुनासिब नहीं था। सो आंखें मलते हुए आत्मसमर्पण की मुद्रा में आ गए। देखा कि श्रीमती जी के एक हाथ में थाली और दूसरे में चाकू थामे हुए हैं।

श्रीमती जनकलाल उनके हाथों में थाली थमाते ट्रंप हो गईं। जैसे कह रही हों, मेरा नब्बे पर्सेंट काम निपट गया है। युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। लेकिन जनकलाल तैयार न हुए। ईरान हो गए। बोले, 'टीवी चालू रहेगा। तुम काम बताओ बस।' श्रीमती जनकलाल बोली, 'मैं आज भरवां बैगन बना रही हूं। थाली में बैगन और प्याज हैं। बराबर से काट देना। और ध्यान रखना, चाकू तेज है। दो देशों की लड़ाई में बेकसूर जनता की तरह घायल न हो जाना।' रसोई की ओर कूच करते हुए श्रीमती जनकलाल सच बयां कर गईं। युद्ध का दर्द देश की जनता को भुगतना पड़ता है।

टीवी एंकरों की बमबारी लगातार जारी थी। जनकलाल चाकू लेकर सब्जियों पर टूट पड़े। तभी एंकरों ने कोई काल्पनिक मिसाइल दागते हुए बुर्ज-खलीफा को खतरे में डाल दिया। जनकलाल रसोई की ओर दौड़े और थाली को पटककर वापस मैदान-ए-युद्ध की ओर दौड़ गए। तभी श्रीमती जनकलाल की चीखने की आवाज आई, गो कि कोई मिसाइल आ गिरी हो, 'हे भगवान! ये क्या किया आपने? बैंगन को प्याज की तरह बारीक-बारीक कतर दिया है और प्याज को भरवां बैगन की तरह।' जनकलाल के घर पर भीषण युद्ध के बादल मंडरा रहे थे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

होली मिलन और महिला सम्मान 22 को

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा 22 मार्च रविवार शाम 4 बजे से होली मिलन और महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। यह आयोजन भिलाई तीन स्थित ग्राम सोमानी निधि(वन) रिसॉर्ट में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भिलाई चरोदा निगम महापौर निर्मल कोसरे है। अध्यक्षता सभापति कृष्णा चंद्राकर करेंगे। विशिष्ट अतिथि में पूर्व सभापति व कांग्रेसी नेता विजय जैन, एचटीसी डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह छोटू,भाजपा चरोदा मंडल अध्यक्ष ए गौरी शंकर,भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य गोपाल मेहता,भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य भोला साहू और पार्षद तुषांत वर्मा होंगे। उक्तशय की जानकारी समाज के महासचिव तरुण निहाल ने दी है।

संयुक्त कलेक्टर शिल्पी थामस को मिला अतिरिक्त प्रभार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले में प्रशासनिक कार्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नवीनतम आदेश के अनुसार, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिल्पी थामस को महत्वपूर्ण अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। नए प्रभार के तहत थामस अब जिले की उप जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालेंगी। इसके अतिरिक्त, उन्हें पंचायत एवं नगरीय निकाय के परिसीमन कार्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी प्रदान की गई है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

संयुक्त कलेक्टर महेश राजपूत को मिला अतिरिक्त प्रभार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रशासनिक कार्यों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जारी नवीनतम आदेश के अनुसार, संयुक्त कलेक्टर महेश सिंह राजपूत को महत्वपूर्ण अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। नए प्रभार के तहत राजपूत अब अनुविभागीय अधिकारी भिलाई-3 के साथ-साथ अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई नगर एवं छावनी का कार्यभार भी संभालेंगे। इसके अतिरिक्त, उन्हें कलेक्टर द्वारा समय-समय पर सौंपे गए अन्य दायित्वों का निर्वहन भी करना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम : महिलाओं को बताए उनके अधिकार और दी कानून की जानकारी

■ **यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफइण्डिया दुर्ग भिलाई का आयोजन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (वाईएचएआई) दुर्ग-भिलाई इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें घर परिवार से लेकर कार्यस्थल तक महिलाओं के लिए अवसर और चुनौतियों पर गंभीर चर्चा हुई। विधि विशेषज्ञों ने महिलाओं को उनके अधिकार और कानून के सम्बन्ध में ज्ञानवर्धक जानकारी दी। इस आयोजन में लैंगिक उत्पीड़न , शारीरिक मानसिक शोषण एवं समान कार्य समान वेतन जैसे विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई ।

अधिवक्ता सुरिन्दर कौर ब्रोका , श्वेता तिवारी एवं सुलेखा साहू ने महिला शिक्षा , आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। इस दरम्यान कर्नल रिटायर हरिशरण जीत कौर ने महिलाओं को स्वास्थ्य सम्बन्धी

महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रिया जांगड़े एवं राजश्री श्रृंगार पुतले ने महिलाओं के विकास के लिए शिक्षा आर्थिक स्वतंत्रता पर विशेष बल दिया।

संस्था के चेयरमैन के. सुब्रमण्यम एवं कोषाध्यक्ष हेमलाल देवांगन ने बताया कि इस आयोजन में सभी सदस्यों ने समवेत स्वर में स्वीकार किया कि स्त्री-पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। दुर्ग भिलाई इकाई के प्रेसिडेंट और विधि विशेषज्ञ ऋषि कांत तिवारी एवं अधिवक्ता विकास चौधरी ने बताया कि घर परिवार से लेकर कार्यस्थल तक महिलाओं की सुरक्षा के लिए सभी प्रकार से कानून हैं। दुर्ग भिलाई इकाई के सचिव सुबोध देवांगन ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में नवजीत कौर ब्रोका , सरोज अग्रवाल , तारकेश्वरी साहू , उषा रानी यादव , फाल्गुनी चौधरी , पूर्णिमा चटर्जी , श्रुति चटर्जी , मंजीत कौर , दिव्या शर्मा , हेमांगी ऋषि , काशवी त्रिपाठी , के. स्तुति , निखिल त्रिपाठी , चैतन्य ऋषि , गुरप्रीत सिंह सोइन ,सतानन्द तिवारी , अक्षत तिवारी , अविनाश तिवारी , किशोर छबलानी , देशबन्धु शर्मा , परमजीत सिंह , जसबीर कौर ब्रोका , सुखबीर सिंह ब्रोका , राजेश मराठे एवं संजय साहू की सक्रिय भागीदारी रही।

स्वदेशी मेला के समापन पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन, स्वदेशी अपनाने पर दिया जोर

■ **अंतिम दिन खरीदारी करने उमड़ा लोगों का हुजूम**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला का गुरुवार को समापन हुआ। मेले में अंतिम दिन लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। भिलाई के लोगों ने इस दौरान जमकर खरीदारी की। स्वदेशी सामान के प्रति लोगों ने दिलचस्पी दिखाई। क्राफ्ट आइटम, फुड स्टॉल, कपड़े, फर्निशिंग, आचार, पापड़, क्राकरी व सजावटी सामान के स्टॉल्स पर काफी भीड़ देखी गई। मेला समापन के दौरान स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आज एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'व्यापारी जुटान 2026' के अंतर्गत इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में स्वदेशी जागरण मंच राष्ट्रीय सह संगठक सतीश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों व न्यू प्रेस क्लब भिलाई नगर की नई कार्यकारिणी का अभिनंदन कर सम्मान किया गया।

भारत 2047 समृद्ध व महान भारत में हमारी भूमिका इस विषय पर माननीय सतीश कुमार ने कहा कि भारत जब स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल विकसित राष्ट्र बनना नहीं, बल्कि समृद्ध, आत्मनिर्भर,

संस्कारित और विश्वगुरु भारत का निर्माण करना है। इस महान लक्ष्य की पूर्ति में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी कलेंडर की उत्पत्ति कैसे तय हुई लेकिन आज भी भारत के सुदूर क्षेत्रो में भारत का नववर्ष विक्रम संवत में ही माना जाता है।

स्वदेशी अपना कर करें अर्थव्यवस्था को मजबूत

संगोष्ठी के दौराप सतीश कुमार ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं, बल्कि छोटे उद्यमियों को भी सशक्त बना सकते हैं। उन्होंने बताया की अभी तक छत्तीसगढ़ में जितने भी स्वदेशी मेले लगे है अभी तक उस मेले में 90 लाख से भी ज्यादा लोगो ने स्वदेशी खरीदी की।उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आप अपना उत्पाद निर्यात कर अपने राजस्व को और कमाई को बढ़ा सकते है।वर्ल्ड मार्किट को टेग करे एवम एक्सपोर्टर बने। अंत मे उन्होंने कहा की विश्व मे भारत का समय आ गया है और भारत मे स्वदेशी का समय आ गया है।

व्यापार के बदलते स्वरूप पर रखी बात

विशेष अतिथि के रूप में भूपेंद्र नेमा ने युवाओं को कौशल, नवाचार और उद्यमिता की ओर अग्रसर कर भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की बात कही। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्र ने व्यापार के बदलते भाव को समझकर अपने व्यापार को गति देने की बात पर जोर दिया।नवाचार का अपने व्यापार में उपयोग कर अवसर का लाभ ले यही संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जाति, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करना आवश्यक है।

दिखा भिलाई की जनता का सकारात्मक रुझान

स्वदेशी मेला के संयोजक अजय भसीन ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया व स्वदेशी उत्पाद पर भिलाई की जनता का सकारात्मक रुझान देश के लिए अच्छे संकेत है। मंच पर न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के अध्यक्ष अनिल गुप्ता सहित पूरी कार्रकारिणी व सदस्यों का सम्मान किया गया। इस मौके पर बंसी अग्रवाल, सीए एसोसिएशन अध्यक्ष,असीम सहगल, दिव्या भसीन, भोजराज सिन्हा, दिनकर बसोतिया, अजय बत्रा, गीता वर्मा, सरोजनी पाणिग्रही, जेपी गुप्ता आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन मुकेश पाटिल ने किया। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

वैशाली नगर विधानसभा में विकास कार्यों के लिए 33 लाख स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए वैशाली नगर विधानसभा अंतर्गत जनहित के विभिन्न कार्यों के लिए 32 लाख 99 हजार 76 रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र विधायक रिकेश सेन द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत राशि से वैशाली नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य कराए जाएंगे। इसमें वार्ड क्रमांक 29 शिव मंदिर के पास सार्वजनिक डोम शेड व चौक सौंदर्यीकरण हेतु 2.99 लाख रुपए तथा वृंदानगर दुर्गा मंदिर के पास पेवर ब्लॉक लगाने हेतु 3.00 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। घासीदास नगर जैतखाम के पास सार्वजनिक सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5.00 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 25 जवाहर नगर मंकिनम्मा मंदिर के पास नवीन भवन निर्माण हेतु 2.00 लाख रुपए तथा वार्ड क्रमांक 24 फौजी नगर में सामुदायिक भवन निर्माण रुपए 5.00 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार, वार्ड 24 हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र में चबूतरा निर्माण हेतु 2.00 लाख रुपए, वार्ड क्रमांक 26 रामनगर मुक्तिधाम के पास सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5.00 लाख रुपए तथा रामनगर एवं वैशाली नगर के विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाइट लगाने के कार्यों के लिए क्रमश: 3.99 लाख रुपए और 3.99 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

नेशनल डिफेंस कॉलेज के टीम ने किया भिलाई इस्पात संयंत्र भ्रमण, उत्पादन प्रक्रिया का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नई दिल्ली स्थित नेशनल डिफेंस कॉलेज की उच्च स्तरीय टीम ने 19 मार्च, 2026 को सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का भ्रमण कर प्रमुख उत्पादन इकाइयों में इस्पात निर्माण की प्रक्रियाओं का अवलोकन किया, जिसमें वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल रहें। भ्रमण के प्रारंभ में इस्पात भवन में संवादात्मक बैठक के दौरान निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा राकेश कुमार सहित संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम के गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक

शांडिल्य एवं एसएसपी विजय अग्रवाल समेत पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संवादात्मक बैठक के दौरान टीम को उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संयंत्र के उत्पादन, प्रमुख इकाइयों एवं शॉप्स की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रक्रियाओं, उत्पाद मिश्रण तथा समग्र उत्पादन उपलब्धियों पर व्यापक जानकारी साझा की गई। इसके उपरांत संयंत्र में प्रवेश से पूर्व आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई।

संयंत्र भ्रमण के दौरान टीम ने ब्लास्ट फर्नेस-8 में हॉट मेटल उत्पादन, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में करूड स्टील निर्माण तथा यूनिवर्सल रेल मिल में विश्व की सबसे लंबी 130 मीटर रेल के रोलिंग की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। आधुनिकीकृत इकाइयों—बीएफ-8, एसएमएस-3 एवं यूनिवर्सल रेल मिल—की उच्च दक्षता, विशालता एवं उन्नत तकनीकी क्षमताओं ने आगंतुकों को विशेष रूप से प्रभावित किया।

ताज दरबार मे रोज़ा इफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ताज दरबार नानी अम्मा कैंप एक साक्षरता चौक के सामने भिलाई में हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया के मुरीद और चाहने वाले बड़ी तादाद में 17 मार्च को इकट्ठा हुए। बाबा ताज के उर्स पाक के मौके पर इस बार यहां 27 वें रोजे की इफ्तार कराई गई। जिसमें बड़ी तादाद में रोजेदारों के साथ सर्वधर्म के अकीदतमंदों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इसके बाद आम लंगर का एहतमाम भी किया गया था।

हज़रत बाबा ताजुद्दीन औलिया सेवा समिति भिलाई की अध्यक्ष ताज अंजुम ताजी एवं ताज दरबार की खिदमत गुज़ार अध्यक्ष-हज्जन बदरुनिसा ताजी और

गद्दीनशीन मोहम्मद सादिक ताजी ने बाबा के मुरीदों और चाहने वालों के साथ बाबा ताज के आस्ताने पर लोभान पेश की। फिर चादर पोशी की रस्म अदा की गई। बाबा के खिदमत गुज़ार के आशियाने से लाई गई संदल बाबा हुज़ूर में पेश की गई। इस मौके पर सभी के लिए खास दुआएं भी की गई। ताज दरबार में गद्दीनशीन मोहम्मद सादिक ताजी का इस्तकबाल फूलों से किया गया।

बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड ने फरवरी में रटायर कर्मियों को दी विदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 में समारोह का आयोजन कर माह फरवरी 2026 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। विदाई समारोह में रिटायर कर्मियों ने जहां भिलाई स्टील प्लांट और सेक्टर-4 सोसाइटी से अपने लगाव पर बातें की, वहीं आगे भी सोसाइटी के सदस्य बने रहने की इच्छा जताई।

समारोह में स्वागत उपरांत सोसाइटी के अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक

प्रदान कर रिटायर कर्मियों को भविष्य की शुभकामनाएं दी। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष देवांगन ने कहा कि हमारे रिटायर साथी इस वृहद परिवार का हिस्सा है और इन साथियों का योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। इस मौके पर रिटायर कर्मियों ने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर सोसाइटी परिवार से उपाध्यक्ष असमां परवीन, अशोक राठौर, संचालक मंडल सदस्य पुरुषोत्तम सिंह कंवर, जानकी राव, सतानंद चंद्राकर, शशिभूषण ठाकुर और नितिशा साहू तथा सोसायटी के कर्मियों में मैनेजर सुदीप बनर्जी, पिजुष कर, नारायण साहू एवं सुरेश कुमार सहित अन्य उपस्थित थे। मंच संचालन संचालक वेद प्रकाश सूर्यवंशी और आभार प्रदर्शन संचालक विपिन वन्छोर ने किया।

180 सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को मिला आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण

■ **बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मिलेगा प्रमाण पत्र**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर सेना कार्यालय में केन्द्र शासन के निर्देशानुसार जिले में सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया। कुल 360 वालेंटियर्स को प्रशिक्षित किया जाना है, जिसके अंतर्गत प्रथम बैच का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। जिला सेनानी नगर सेना कार्यालय द्वारा नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं द्वारा 14 से 20 मार्च 2026 तक 180 सिविल डिफेंस वालेंटियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नागरिक सुरक्षा की जानकारी दी गई। साथ ही फायर फाइटिंग के अंतर्गत अग्निशमन यंत्रों का उपयोग कर आग बुझाने के तरीके सिखाए गए। फर्स्ट एड प्रशिक्षण में सीपीआर, पट्टियां बांधने

जैसी जीवनरक्षक तकनीकों का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत आपात स्थिति में बचाव के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई। इस प्रथम बैच में कुल 180 वालेंटियर्स शामिल हुए, जिनमें 75 पुरुष और 105 महिलाएं थीं।

आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति आपदा के समय स्वयं, अपने परिवार तथा समाज की सुरक्षा के साथ राष्ट्र की सेवा भी कर सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण को अत्यंत आवश्यक बताते हुए सभी से गंभीरता और लगन के साथ इसे सीखने की अपील की।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि आपदा और मुसीबत कभी भी अचानक आ सकती है, ऐसे समय में हर एक मिनट कीमती होता है। इसलिए प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारी को ध्यानपूर्वक सुनें, समझें और उसे अपनी डायरी में नोट करते रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी सलाह दी कि वे यहां सीखी गई बातों का नियमित अभ्यास करें और घर पर परिवार के सदस्यों के साथ भी प्रैक्टिस करें, ताकि जरूरत पड़ने पर सही तरीके से उसका उपयोग किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि जितना अधिक अभ्यास किया जाएगा, उतनी ही बेहतर तैयारी होगी और आपदा की स्थिति में प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सकेगा। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगामी 15 अगस्त के अवसर पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा के समय प्रशिक्षित वालेंटियर्स के माध्यम से त्वरित और प्रभावी सहायता सुनिश्चित करना है, जिससे जन-धन की हानि को कम किया जा सके।

घरेलू गैस का दुरुपयोग : मंगल समोसा सेक्टर-6 से 22 सिलेंडर जब्त

भिलाई। सेक्टर-6 ए मार्केट स्थित मंगल समोसा प्रतिष्ठान पर घरेलू गैस के दुरुपयोग एवं अवैध भंडारण के मामले में खाद्य विभाग ने कार्रवाई की है। जांच के दौरान यहां से कुल 22 नग गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

खाद्य नियंत्रक से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिष्ठान द्वारा घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है। खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और नियमानुसार सभी सिलेंडरों को जब्त कर लिया। खाद्य नियंत्रक श्री अनुराग भदौरिया अधिकारियों ने बताया कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित है और ऐसा पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

आबकारी आरक्षक के 200 पदों पर भर्ती हेतु अंतिम चयन परिणाम जारी

रायपुर। आबकारी विभाग के अंतर्गत आबकारी आरक्षक के रिक्त 200 पदों की पूर्ति हेतु सीधी भर्ती के माध्यम से छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर (व्यापम) द्वारा 27 जुलाई 2025 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। उक्त भर्ती परीक्षा का अंतिम उत्तर तथा परीक्षा परिणाम व्यापम की वेबसाइट पर 19 सितम्बर 2025 को प्रदर्शित किया गया। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग को उपलब्ध कराये गये परीक्षा परिणाम की प्राप्तांक सूची एवं परीक्षा से संबंधित अन्य अभिलेखों के आधार पर विज्ञापन में उल्लेखित वर्गवार, प्रवर्गवार रिक्तियों की संख्या के लगभग तीन गुना अभ्यर्थियों को मेरिट क्रम में चिन्हांकित किया गया। उनके मूल प्रमाण पत्रों (दस्तावेजों) का सत्यापन एवं शारीरिक मापदण्ड की जॉच के लिए बुलाया गया, किन्तु पर्याप्त अवसर दिये जाने के बाद भी सत्यापन में अनुपस्थित एवं शारीरिक मापदण्ड में अपात्र पाये गये कुल 128 अभ्यर्थियों के नामों पर चयन प्रक्रिया में विचार नहीं करने संबंधी 12 मार्च 2026 को पत्र जारी किया गया।

सुकमा में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत भर्ती, 06 अप्रैल तक आवेदन का अवसर

सुकमा। जिला पंचायत सुकमा में 'राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संकाय सदस्यों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला पंचायत संसाधन केंद्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है, जिससे पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को और गति मिल सके। भर्ती के तहत संकाय सदस्य (फैकल्टी मेंबर) के 2 संविदा पद भरे जाएंगे। इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थी 06 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन केवल पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इस भर्ती के माध्यम से पंचायत व्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अभ्यर्थी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, आयु सीमा एवं आवेदन प्रारूप से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए http://sukma.gov.in या जिला पंचायत सुकमा के सूचना पटल का अवलोकन कर सकते हैं। यह अवसर उन युवाओं के लिए विशेष है जो ग्रामीण विकास और पंचायत सशक्तिकरण में अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं।

उल्लास कार्यक्रमः जेल में शिक्षा के जरिए सुधार की नई पहल

धमतरी। जिला जेल धमतरी में बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक अभिनव पहल की जा रही है। उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से बंदियों में शिक्षा की नई रोशनी थीम पर 22 मार्च 2026 को एक विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस पहल के तहत जेल में निरुद्ध 37 बंदी परीक्षा में शामिल होंगे, जिससे वे अपनी शैक्षणिक उन्नति की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है, विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए। जिला जेल प्रशासन द्वारा बंदियों को नियमित रूप से अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की जा रही है, ताकि वे उत्साहपूर्वक परीक्षा में भाग ले सकें। इस प्रयास से न केवल बंदियों को साक्षर बनाया जा रहा है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल (संशोधन) विधेयक 2026 विधानसभा से पारित

आवास और अधोसंरचना विकास को नई दिशा और गति देगा यह कानूनः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य में आवासीय और शहरी अधोसंरचना विकास को व्यापक स्वरूप देने के उद्देश्य से वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अधिनियम, 1972 (संशोधन) विधेयक 2026 को विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

यह संशोधन द्वारा अब मंडल का नाम छत्तीसगढ़ गृह एवं अधोसंरचना विकास मंडल किया गया है एवं मंडल की भूमिका को विस्तार देते हुए उसे एक आधुनिक और बहुआयामी इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सदन में जानकारी देते हुए वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल का गठन मूलतः मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल अधिनियम, 1972 के तहत किया गया था। राज्य गठन के बाद यह संस्था प्रदेश में आवासीय योजनाओं, नगरीय अधोसंरचना और किफायती आवास उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में मंडल द्वारा लगभग 3,050 करोड़ रुपये की लागत से 78 नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। राज्य शासन द्वारा 735 करोड़ रुपये का ऋण भुगतान कर मंडल को ऋणमुक्त किया गया है। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY 2.0) के अंतर्गत 2,000 ईडब्ल्यूएस आवासों के निर्माण को स्वीकृति मिली है।

मंत्री चौधरी ने बताया कि 650 करोड़ रुपये से अधिक की 6 रिडेवलपमेंट परियोजनाओं की डीपीआर तैयार हो चुकी है। नवंबर 2025 में आयोजित राज्य स्तरीय आवास मेले में 2,060 करोड़ रुपये की 56 नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिसमें 2,517 संपत्तियों की बुकिंग और 1,477 का आवंटन किया जा चुका है। वर्तमान में मंडल छत्तीसगढ़ के 33 में से 27 जिलों में सक्रिय है और प्रक्रियात्मक सुधारों के माध्यम से रजिस्ट्री के साथ भौतिक कब्जा सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके अलावा, 858 करोड़ रुपये की लागत से 146 विकासखंडों में शासकीय आवासों का निर्माण कर मंडल ने अपनी तकनीकी क्षमता भी सिद्ध की है। उन्होंने कहा कि रायपुर, नवा रायपुर, भिलाई-दुर्ग और राजनांदगांव को एकीकृत कर एक शहरी कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें गृह निर्माण मंडल की भूमिका अहम होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल (संशोधन) विधेयक 2026 के पारित होने पर कहा कि यह निर्णय राज्य में आवास और अधोसंरचना विकास को नई दिशा और गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मंडल का दायरा बढ़ाकर उसे एक आधुनिक एवं बहुआयामी इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे शहरीकरण को सुव्यवस्थित रूप मिलेगा और आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती आवास उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संकल्प से सिद्धि के मंत्र के साथ प्रदेश में योजनाबद्ध शहरी विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे छत्तीसगढ़ आने वाले समय में एक सशक्त और विकसित राज्य के रूप में उभरेगा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा से पारित हुआ नगर एवं ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2026

सुनियोजित शहरी विकास और अवैध प्लॉटिंग पर रोक की दिशा में बड़ा कदमः मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और सुव्यवस्थित विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2026 को विधानसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस संशोधन का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में अनियंत्रित विस्तार और अवैध प्लॉटिंग पर नियंत्रण स्थापित करते हुए योजनाबद्ध विकास को गति देना है।

सदन में चर्चा के दौरान वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने बताया कि वर्तमान में नगर विकास योजनाएं तैयार करने और उनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी आवास एवं पर्यावरण विभाग के मुख्यतः रायपुर विकास प्राधिकरण और नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण जैसे प्राधिकरणों पर ही निर्भर है। प्रदेश में बढ़ती आर्थिक विकास के फलस्वरूप, शहरों के व्यवस्थित विकास की

आवश्यकता आज और बढ़ गई है। मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में विभिन्न एजेंसियों की भागीदारी से नगर विकास योजनाओं के बेहतर परिणाम सामने आए हैं। अहमदाबाद जैसे कई प्रमुख शहरों में रिंग रोड जैसी प्रमुख परियोजनाएं, नगर विकास योजना बनाकर, योजनाबद्ध तरीके से विकसित की गई हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी रायपुर मास्टर प्लान के अंतर्गत एम.आर.-43 मार्ग का निर्माण नगर विकास योजना के माध्यम से किया जा रहा है, जो इस प्रणाली की उपयोगिता को दर्शाता है। संशोधन के तहत छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा-38 में बदलाव किया गया है। इसके अनुसार अब नगर विकास योजनाएं तैयार करने के लिए अधिकृत एजेंसियों के दायरे का विस्तार किया जा रहा है । नगर तथा ग्राम विकास प्राधिकरणों के अलावा राज्य शासन के अभिकरणों, स्थानीय नगर निकाय और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों द्वारा भी नगर विकास योजना क्रियान्वित की जा सकेगी। इससे योजनाओं की संख्या में वृद्धि होने के साथ-साथ औद्योगिक और आवासीय विकास को भी नई गति मिलेगी।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि इस विधेयक का मूल उद्देश्य राज्य में सुनियोजित शहरी विकास को बढ़ावा देना, अवैध प्लॉटिंग पर अंकुश लगाना और उद्योग व आवास के लिए व्यवस्थित भूखंडों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह संशोधन छत्तीसगढ़ के शहरी परिदृश्य को अधिक सुव्यवस्थित और विकासोन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ नगर एवं ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2026 के पारित होने पर कहा कि यह निर्णय राज्य में सुनियोजित और संतुलित शहरी विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के इस दौर में अवैध प्लॉटिंग पर नियंत्रण और योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक था। इस संशोधन के माध्यम से विभिन्न एजेंसियों की भागीदारी बढ़ाकर विकास कार्यों को गति दी जाएगी, जिससे शहरों में बेहतर अधोसंरचना, व्यवस्थित आवास और उद्योगों के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य छत्तीसगढ़ के शहरों को आधुनिक, सुव्यवस्थित और भविष्य के अनुरूप विकसित करना है।

अप्रैल से जून 2026 तक का चावल एकमुश्त आबंटित

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं अन्य योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों के लिए माह अप्रैल से जून 2026 तक का चावल एकमुश्त आबंटित किया गया है। संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, नवा रायपुर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जिले की सभी उचित मूल्य दुकानों में चावल का भंडारण 31 मार्च 2026 तक पूर्ण किया जाएगा तथा हितग्राहियों को इसका वितरण 30 अप्रैल 2026 तक सुनिश्चित किया जाएगा।

निर्देशानुसार अंत्योदय, प्राथमिकता तथा अन्य श्रेणी के सभी राशनकार्डधारियों को उनकी पात्रता के अनुसार तीन माह का चावल एक साथ वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही शक्कर, नमक सहित अन्य राशन सामग्री का वितरण भी उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार किया जाएगा, ताकि हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न का लाभ मिल सके।

वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए ई-पॉस मशीन के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक हितग्राही को राशन वितरण के बाद रसीद भी प्रदान की जाएगी। अप्रैल माह में चावल उत्सव का आयोजन कर हितग्राहियों को विशेष रूप से खाद्यान्न वितरण किया जाएगा, जिससे सभी पात्र परिवारों तक राशन समय पर पहुँच सके।

खाद्य, राजस्व एवं सहकारिता विभाग द्वारा वितरण कार्य की सतत निगरानी की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी हितग्राहियों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर योजना का लाभ अवश्य लें।

फसलचक्र परिवर्तन से धमतरी के किसानों की बढ़ी आय, जल संरक्षण को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी धान की पारंपरिक खेती के लिए पहचाने जाने वाला धमतरी जिला अब कृषि नवाचार की नई मिसाल बनता जा रहा है। यहां के किसान फसलचक्र परिवर्तन अपनाकर कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसलों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बदलाव ने न केवल खेती की तस्वीर बदली है, बल्कि किसानों की सोच और संसाधनों के उपयोग में भी सकारात्मक परिवर्तन लाया है। जिला प्रशासन की दूरदर्शी पहल में फसलचक्र परिवर्तन को एक जन-अभियान का रूप दिया गया है। किसानों को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और निरंतर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के प्रयासों ने इस पहल को सफल बनाया है। कृषि विभाग की टीम ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संवाद स्थापित किया, जिससे उनमें नई फसलों के प्रति विश्वास मजबूत हुआ।

ग्राम गट्टासिल्ली तालपारा के किसान रामप्रकाश नेताम इस परिवर्तन के प्रेरक उदाहरण हैं। पहले वे केवल धान की खेती करते थे, लेकिन अब 3.5 एकड़ में मक्का की खेती कर बेहतर उत्पादन और आय अर्जित कर रहे हैं। कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से उन्होंने उन्नत तकनीकों, कीट प्रबंधन और फसल देखरेख के बेहतर तरीकों को अपनाया है, जिससे उनकी खेती अधिक लाभकारी बन गई है। रामप्रकाश जैसे सैकड़ों किसानों ने मक्का सहित अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार किया है। खेतों में लहराती मक्का की फसल इस सकारात्मक बदलाव की सजीव तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ी है, बल्कि खेती का जोखिम भी कम हुआ है। फसलचक्र परिवर्तन का पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है।

कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों के कारण सिंचाई पर दबाव घटा है, जिससे जल संसाधनों का संरक्षण हो रहा है और भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद मिल रही है। साथ ही, विविध फसलों की खेती से भूमि की उर्वरता में भी सुधार हुआ है। यह पहल केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों की आय को स्थायी और टिकाऊ बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

डॉ. शिबानी के सपनों को मिली प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना से स्वावलंबन की उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आज के बदलते दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। बस्तर जिले की डॉ. शिबानी रानी सारंगी ऐसी ही एक प्रेरणादायक शख्सियत बनकर उभरी हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से न केवल अपने डॉक्टर बनने के सपने को पूरा किया, बल्कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना का लाभ उठाकर उद्यमिता के क्षेत्र में भी कदम रखा है।

बचपन से ही समाज सेवा का जज्बा रखने वाली डॉ. शिबानी ने कड़ी मेहनत से डेंटल सर्जरी की डिग्री प्राप्त की और ओरल व मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में विशेषज्ञता हासिल की, लेकिन पढ़ाई पूरी करने के बाद स्वयं का क्लिनिक स्थापित करना उनके लिए एक बड़ी आर्थिक चुनौती थी। इस मुश्किल घड़ी में डॉ. शिबानी को एक मित्र के माध्यम से जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जगदलपुर द्वारा संचालित

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल कार्यालय जाकर ऋण प्रक्रिया को समझा और पंजाब नेशनल बैंक की डिमरापाल शाखा में अपना आवेदन प्रेषित किया। योजना के तहत उन्हें 8 लाख 56 हजार 900 रुपए की ऋण राशि स्वीकृत हुई, जिससे उनके सपनों को धरातल पर आने का रास्ता मिल गया। शासन की ओर से उन्हें 2 लाख 25 हजार 500 रुपए की सब्सिडी (अनुदान) भी प्राप्त हुई, जिससे उनका वित्तीय बोझ काफी कम हो गया।

वर्ष 2024 में जगदलपुर के कोठारी कॉम्प्लेक्स स्थित श्रीराम पोलिक्लिनिक में अपने डेंटल क्लिनिक की शुरुआत कर डॉ. शिबानी ने एक सफल चिकित्सक के साथ ही व्यवसायी के रूप में अपनी पहचान बनाई है। आज उनके क्लिनिक में बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं और उनका सालाना टर्नओवर 3 से 4 लाख रुपए तक पहुंच गया है।

विशेष बात यह है कि उन्होंने न केवल खुद को स्थापित किया, बल्कि अपने साथ दो अन्य महिलाओं को भी रोजगार प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। डॉ. शिबानी की यह सफलता सिद्ध करती है कि यदि मन में मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास हो, तो सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के सहयोग से किसी भी बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

बस्तर में शुरू हुआ पुस्तक दान अभियान

कलेक्टर ने पुस्तक दान रथ को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले में शिक्षा और ज्ञान की नई अलख जगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक अत्यंत सराहनीय और अनूठी पहल की शुरुआत की गई है। कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में पूरे जिले में पुस्तक दान अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया है। जिसका मुख्य लक्ष्य घरों की अलमारियों में रखी पुरानी और उपयोगी किताबों को उन जरूरतमंद हाथों तक पहुँचाना है जो संसाधनों के अभाव में ज्ञान की मुख्यधारा से दूर रह जाते हैं। इस पुनीत कार्य के लिए जिला प्रशासन ने समस्त आम जनता, जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारियों और विद्यार्थियों से एक भावुक अपील की है कि वे अपनी पुरानी ज्ञानवर्धक पुस्तकें, महापुरुषों की प्रेरणादायक जीवनियाँ और सामान्य ज्ञान की किताबें दान कर किसी विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदलने में सहभागी बनें। प्रशासन का मानना है कि यह

अभियान न केवल पुरानी किताबों को नया जीवन देगा, बल्कि समाज में दान की एक नई और बौद्धिक संस्कृति को भी विकसित करेगा।

इस महाभियान को सुव्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन द्वारा एक विशेष पुस्तक दान रथ तैयार किया गया है, जिसे कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने कलेक्ट्रेट परिसर में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान के पहले ही दिन उत्साह का माहौल देखा गया और शहर के पावर हाउस चैक, डोंगरीपारा, कोहकापाल, धरमपुरा और नया बस स्टैंड जैसे प्रमुख क्षेत्रों से होते हुए सिटी कोतवाली तक लोगों ने बढ़-चढ़कर अपनी पुस्तकें दान कीं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री बीआर बघेल और आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त श्री गणेश राम सोरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने खुद भी इस मुहिम में योगदान दिया।

सिलसिलेवार तरीके से यह अभियान अगले सात दिनों तक बस्तर के कोने-कोने में पहुँचेगा, जिसके तहत 20 मार्च को तोकापाल के एर्राकोट और करंजी क्षेत्रों में, 21 मार्च को बास्तानार और किलेपाल में तथा 22 मार्च को दरभा और तीरथगढ़ के अंचलों में यह रथ भ्रमण करेगा। इसी क्रम में 23 मार्च को बकावण्ड, 24 मार्च को लोहण्डीगुड़ा और अंतिम दिन 25 मार्च को बस्तर विकासखंड के भानपुरी और केशरपाल जैसे क्षेत्रों में सघन रूप से पुस्तकें संग्रहित की जाएंगी।

एनीमिया मुक्त अभियान से महिलाओं में बढ़ा जागरूकता और सशक्तिकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। कबीरधाम जिले में एनीमिया मुक्त भारत अभियान अब सिर्फ एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और एनआरएलएम की संयुक्त पहल से गांव-गांव की महिलाएं अपनी सेहत को लेकर जागरूक हो रही हैं, समय पर जांच और उपचार अपना रही हैं और एक स्वस्थ, आत्मविश्वासी जीवन की ओर कदम बढ़ा रही हैं। जिले में एनीमिया की रोकथाम के लिए 'टेस्ट, ट्रीट और टॉक' रणनीति के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत मार्च और अप्रैल माह में महिला स्व-सहायता समूहों और संकुल कैडर को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस पहल की शुरुआत 18 मार्च को लोहारा विकासखंड के ओडियाकला संकुल से की गई, जो जिले के सभी विकासखंडों में क्रमशः जारी है। प्रशिक्षण सत्रों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा एनीमिया की पहचान, उसके लक्षण, महिलाओं के स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव, जांच प्रक्रिया और उपचार की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही सिकल सेल एनीमिया जैसे गंभीर विषयों पर भी सरल और समझने योग्य तरीके से मार्गदर्शन किया जा रहा है। महिलाओं को आयरन युक्त आहार, नियमित जांच और स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

इस दौरान महिलाओं ने खुलकर अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं साझा कीं और समाधान के बारे में जाना। पहले जहां महिलाएं अपनी परेशानियों को नजरअंदाज कर देती थीं, अब वे स्वयं जागरूक होकर समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रही हैं और अन्य महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं। सामुदायिक भागीदारी से एनीमिया जैसी रोके जा सकने वाली बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। इस अभियान के माध्यम से न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास और जागरूकता भी बढ़ रही है। अभियान का उद्देश्य है कि महिलाएं स्वस्थ और सशक्त हो, तभी समाज और आने वाली पीढ़ी का भविष्य भी बेहतर और मजबूत बनेगा।

'हर सिक्के के दो पहलू होते हैं', डेजी शाह ने पलाश और स्मृति के फिर साथ आने की जताई उम्मीद, कहा- प्यारी जोड़ी

सलमान खान के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री डेजी शाह अब पलाश मुछाल के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में नजर आएंगी। इससे पहले अब डेजी ने पलाश और स्मृति के रिश्ते को लेकर बात की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा....

संगीतकार और निर्देशक पलाश मुछाल और क्रिकेटर स्मृति मंधाना उस समय काफी सुर्खियों में थे, जब उनकी शादी रद्द हो गई थी। हालांकि, अब दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं। हाल ही में पलाश की अगली फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली डेजी शाह ने पलाश मुछाल और स्मृति को लेकर बात की। हालांकि, उन्होंने दोनों के निजी जीवन को लेकर कुछ भी आंकलन करने से परहेज किया। क्योंकि उनका मानना है कि उन्हें पर्दे के पीछे की कहानी नहीं पता है।

फिल्म के लिए पलाश ने सीधे नहीं किया डेजी से संपर्क

मिस मालिनी के साथ बातचीत में डेजी शाह ने बताया कि स्मृति मंधाना से शादी रद्द होने के बाद पलाश ने अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए उनसे सीधे संपर्क करने में हिचकिचाहट दिखाई। डेजी पलाश की अगली निर्देशित फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। डेजी ने खुलासा किया कि उन्हें दो-तीन अनजान लोगों के फोन आए, जिन्होंने दावा किया कि पलाश एक फिल्म बना रहे हैं और उन्हें उसमें लेना चाहते हैं। हालांकि, उन्हें यह तरीका अजीब लगा, क्योंकि उनकी पलाश की बहन पलक से गहरी दोस्ती है। इसलिए एक्ट्रेस ने कहा कि अगर पलाश सच में उनसे संपर्क करना चाहते, तो वे सीधे उनसे या पलक के माध्यम से संपर्क करते। इसलिए यह समझ से परे है कि अजनबी लोग यह संदेश क्यों पहुंचा रहे हैं।

ऐसे हुई डेजी की फिल्म में एंट्री

अभिनेत्री ने आगे बताया कि इसके बाद मैंने पलाश को एक मैसेज भेजा, जिसमें मैंने इस बारे में पूछा। तब उन्होंने कहा, 'जी मैडम, यह सच है, लेकिन हाल की परिस्थितियों के कारण, मैं व्यक्तिगत रूप से किसी को फोन नहीं कर रहा हूं क्योंकि बात बिल्कुल अलग मोड़ ले सकती है।' बाद में उन्होंने कहानी सुनाई और मैंने इस प्रोजेक्ट में आगे बढ़ने में अपना इंटरेस्ट दिखाया।

मुझे नहीं पता असलियत क्या है

पलाश के निजी जीवन को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं निजी जीवन से पेशेवर जीवन में आसानी से ध्यान दे सकती हूं। मुझे नहीं लगता कि निजी जीवन का पेशेवर जीवन पर कोई असर पड़ना चाहिए। सबसे पहले तो, मुझे नहीं पता कि असलियत क्या है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं।

हमें सच में नहीं पता कि क्या गड़बड़ हुई क्योंकि यह दो परिवारों के बीच का मामला है। हम यहां बैठकर मीडिया से सुनी बातों के आधार पर राय बना रहे हैं। हमें नहीं पता कि असल सच्चाई क्या है, और इसका मतलब यह नहीं है कि मैं महिला पक्ष की बात को नकार रही हूं। मैं बस निष्पक्ष हूं।

साथ ही, उन्होंने मुझसे पेशेवर तौर पर संपर्क किया था। तो मैं भला किसी को उसके बाहरी रूप से आंकने वाली कौन होती हूं मैं उम्मीद करती हूं कि दोनों पक्षों में सब कुछ ठीक हो जाए। वे एक साथ आ जाएं क्योंकि वे वास्तव में एक प्यारी जोड़ी हैं।

23 नवंबर को होनी थी पलाश-स्मृति की शादी

पलाश और स्मृति की शादी पिछले साल 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन स्मृति के पिता की मेडिकल इमरजेंसी के कारण समारोह अचानक स्थगित कर दिए गए। चिंता तब और बढ़ गई जब पलाश को भी मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद अफवाहें फैलने लगीं, कुछ लोगों ने तो यहां तक आरोप लगाया कि पलाश ने स्मृति को धोखा दिया है। बाद में पलाश और स्मृति ने बयान जारी करके अपनी शादी खत्म होने की जानकारी दी। साथ ही लोगों से अफवाहें न फैलाने और प्राइवेसी का ध्यान रखने की अपील की।

स्वयंभू में निखिल के किरदार की ताकत है सुंदरावली : नाभा नटेश

भारतीय सिनेमा में इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, लेकिन उनमें से सबसे ज्यादा चर्चा में है स्वयंभू... फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह एक बहादुर योद्धा ने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदली। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ के साथ एक्ट्रेस नाभा नटेश भी मुख्य किरदार में हैं।

नाभा ने बताया कि उनका किरदार सुंदरावली निखिल के किरदार का बैकबोन है। नाभा नटेश ने कहा, मेरा किरदार सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है और वह उसी गांव में बड़ी हुई है, जहां निखिल का किरदार रहता है। सुंदरावली निखिल के किरदार को गहराई से समझती है और उसके हर उतार-चढ़ाव को जानती है। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार इस बात का प्रतीक है कि किसी की सफलता के पीछे हमेशा ऐसे लोग होते हैं, जो बिना दिखाए समर्थन करते हैं। सुंदरावली निखिल के किरदार के सबसे कठिन समय में उसके पास आती है और उसे विश्वास देती है कि वह फिर से उठकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। यही क्षण कहानी में महत्वपूर्ण मोड़ लाता है और हीरो अपनी मंजिल की ओर बढ़ता है।

फिल्म स्वयंभू को भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले प्रोडक्शन किया है और इसे टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में पहले से ही उत्सुकता है। निखिल सिद्धार्थ ने फिल्म के लिए वियतनाम में मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली। इतना ही नहीं, उन्होंने तलवारबाजी में इतनी महारत हासिल की कि वे दोनों हाथों से तलवार चला सकते हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी तलवारबाजी की ट्रेनिंग दी गई। वियतनाम के एक्सपर्ट्स को लाया गया, ताकि स्टंट और क्लाइमेक्स सीक्वेंस को वास्तविकता के करीब दिखाया जा सके।

इस फिल्म का क्लाइमेक्स हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियोज में 60 दिनों तक शूट किया गया, जिसमें सैकड़ों कलाकार शामिल रहे। स्वयंभू 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

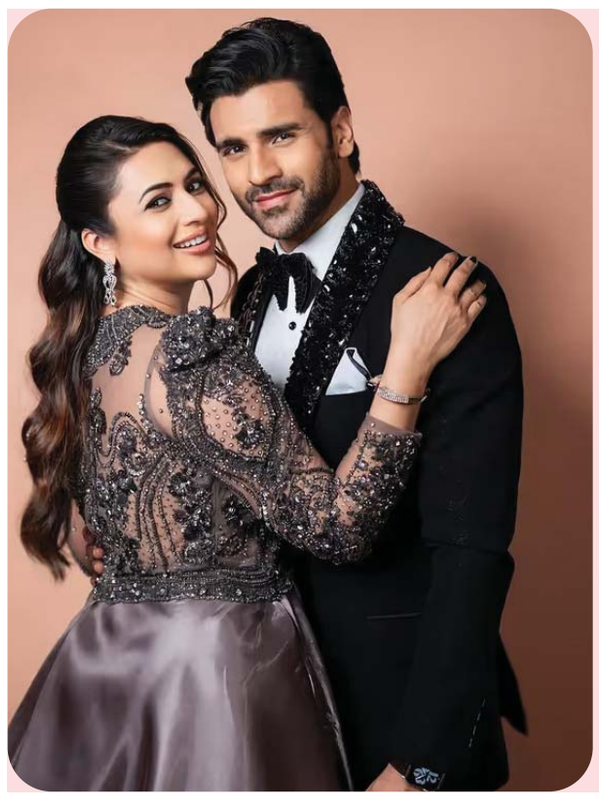

शादी के 10 साल बाद मां बनेंगी दिव्यांका त्रिपाठी

टीवी की मशहूर अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी जल्द ही मां बनने वाली हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी है। उन्होंने अपने पति विवेक दहिया के साथ प्रेगनेंसी फोटो शूट करवाया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं उनकी पोस्ट में क्या है?

दिव्यांका की पोस्ट में क्या है?

दिव्यांका त्रिपाठी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह अपने पति के साथ पोज दे रही हैं। एक तस्वीर में उन्होंने और विवेक दहिया ने बेबी बंप पर हाथ रखकर पोज दिया है। एक और तस्वीर में विवेक ने दिव्यांका को प्यार से अपनी बाहों में लिया है। एक और तस्वीर में विवेक ने छोटे जूते अपने हाथ में लिए हैं और दोनों मुस्कुरा रहे हैं।

प्यारा है दिव्यांका का कैप्शन

दिव्यांका ने अपनी पोस्ट में लिखा है '10 साल बाद कहानी में एक नया मोड़ आने वाला है। कुछ सफर जल्दबाजी वाले नहीं होते, बल्कि वे एक-दूसरे के साथ मिलकर किए जाते हैं। जब आपको लगता है कि आपकी कहानी पूरी हो चुकी है, तो जिंदगी उसमें सबसे खूबसूरत हिस्सा जोड़ देती है। अभी भी इस एहसास में डूबे हुए हैं। अभी भी बिना किसी वजह के मुस्कुरा रहे हैं। दिल में कृतज्ञता लिए हुए, हम माता-पिता बनने वाले हैं।'

दिव्यांका और विवेक का रिश्ता

आपको बता दें कि दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने 8 जुलाई 2016 को शादी की थी। वे सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं। वे फैंस के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दिव्यांका और विवेक ने एक साथ 'ये है मोहब्बतें' सीरियल में काम किया है। इसके अलावा यह जोड़ी रियलिटी शो 'नच बलिए सीजन 8' में एक साथ नजर आई थी।

गर्मियों के दौरान साड़ी पहनते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के दौरान साड़ी पहनना कुछ महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि गर्मी और उमस के कारण वे असहज महसूस करती हैं। हालांकि, सही कपड़े और स्टाइलिंग से आप इस पारंपरिक परिधान में भी आरामदायक और स्टाइलिश महसूस कर सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फैशन टिप्स देते हैं

हल्के कपड़े का करें चयन

गर्मियों में साड़ी पहनते समय हल्के और सांस लेने वाले कपड़े का चयन करना सबसे जरूरी है। सूती, लिनेन और जॉर्जेट जैसी साड़ियां इस मौसम के लिए बेहतरीन विकल्प होती हैं। ये कपड़े न केवल हल्के होते हैं, बल्कि इनमें पसीना सोखने की क्षमता भी होती है, जिससे आप ताजगी महसूस करेंगी। इसके अलावा ये कपड़े गर्मी में शरीर को ठंडा रखते हैं और पहनने में भी आरामदायक होते हैं।

हल्के रंगों का करें चयन

गर्मियों में हल्के रंगों की साड़ी पहनना एक अच्छा विचार हो सकता है। हल्के गुलाबी, हरा, पीला या नीला इस मौसम में बहुत अच्छे लगते हैं। ये रंग न केवल आपको ताजगी देंगे, बल्कि धूप में भी आपको ठंडक का अहसास कराएंगे। इसके अलावा हल्के रंगों की साड़ियां पहनकर आप हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं और आपका लुक भी खास लगेगा।

कम गहनों का करें उपयोग

गर्मियों में भारी गहने पहनना असहज हो सकता है इसलिए इसे कम से कम रखें। हल्के झुमके या छोटे हार पहनें ताकि आपका लुक साधारण और आकर्षक लगे। अगर आप चाहें तो हाथों में पतले कंगन या चूड़ियां भी पहन सकती हैं, जो आपके लुक को पूरा करेंगे। इसके अलावा आप बिना भारी गहनों के भी सुंदर दिख सकती हैं और गर्मी में असहजता से बच सकती हैं।

हेयरस्टाइल पर दें ध्यान

गर्मियों में बालों को संभालना मुश्किल हो सकता है, खासकर अगर आपके बाल लंबे हों। हेयरस्टाइल ऐसी चुनें, जो सरल हो और लंबे समय तक टिके रहे। पोनीटेल, बन या चोटी जैसी हेयरस्टाइल्स इस मौसम के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। इसके अलावा आप बालों को खुला रखने के लिए हल्की पिनअप स्टाइल भी अपना सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इन सरल हेयरस्टाइल्स से आप गर्मियों में भी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

फुटवियर का चयन करें सोच-समझकर

जूते का चयन करते समय आरामदायक होना जरूरी है। चप्पलें या फ्लैट सैंडल्स पहनें ताकि चलने में कोई दिक्कत न हो और पैरों में पसीना भी कम आए। अगर आप चाहें तो हल्के हील्स भी पहन सकती हैं, लेकिन सुनिश्चित करें कि वे आरामदायक हों। इस तरह आप गर्मियों में भी साड़ी पहनकर स्टाइलिश दिख सकती हैं और साथ ही आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

खास खबर

जिले में खुरहा-चपका से बचाव हेतु सघन टीकाकरण अभियान शुरू

कोरिया। कोरिया जिला में गौवंशीय एवं भैंसवंशीय पशुओं को खुरहा-चपका रोग से बचाने के लिए सघन टीकाकरण अभियान की शुरुआत 15 मार्च से मिशन मोड में कर दी गई है। यह अभियान 30 अप्रैल 2026 तक संचालित किया जाएगा, जिसके तहत जिले के सभी गांवों में शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए पशुधन विकास विभाग, बैकुन्ठपुर द्वारा टीकाकरण दलों का गठन किया गया है। इन दलों को आवश्यक टीकाद्रव्य एवं सामग्री उपलब्ध कराकर वाहनों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में रवाना किया गया है। कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी द्वारा विगत दिनों दलों को हरी झंडी दिखाकर अभियान को गति दी गई। टीकाकरण से पूर्व पशुओं को कृमिनाशक दवा दी जा रही है तथा टीकों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शीत-श्रृंखला का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसके साथ ही मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों को भी अभियान में शामिल किया गया है।अभियान की निगरानी के लिए सभी टीकाकरण कार्यों की जानकारी भारत पशुधन ऐप में दर्ज की जा रही है। इसमें आधार आधारित ओटीपी एवं जियो टैग फोटो के माध्यम से प्रविष्टि अनिवार्य की गई है। प्रशासन ने जिले के सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराएं और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि जिले में खुरहा- चपका रोग का पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

पोषण, शिक्षा और जनभागीदारी का राज्यव्यापी अभियान

रायपुर। आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित 'न्योता भोज' कार्यक्रम प्रदेश में पोषण, शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप शुरू की गई इस पहल के तहत अब समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।राज्य स्तर पर जनवरी से फरवरी 2026 तक कुल 9,763 न्योता भोज आयोजनों के माध्यम से 1,83,927 बच्चों को लाभान्वित किया गया है, जो इस योजना की व्यापक सफलता को दर्शाता है।जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो बिलासपुर जिले में सर्वाधिक 884 आयोजन हुए, जिनमें 18,703 बच्चे लाभान्वित हुए। वहीं कोरबा में 720 आयोजनों के माध्यम से 13,944 बच्चों, रायगढ़ में 690 आयोजनों से 9,835 बच्चों तथा कांकेर में 636 आयोजनों से 7,915 बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।इसी प्रकार धमतरी में 606 आयोजन कर 11,228 बच्चों, महासमुंद में 415 आयोजनों के माध्यम से 7,302 बच्चों तथा जांजगीर-चांपा में 439 आयोजनों से 10,518 बच्चों को लाभ पहुंचाया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के नागरिक, जनप्रतिनिधि, दानदाता एवं पालक अपने विशेष अवसरों—जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ या अन्य पारिवारिक खुशियों—पर आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के साथ भोजन साझा कर रहे हैं। इससे बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ में 6 दिवसीय फेम ट्रिप सफलतापूर्वक संपन्न

छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिली नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से राज्य के पर्यटन स्थलों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से 13 से 18 मार्च तक आयोजित 6 दिवसीय विशेष फेम ट्रिप सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। यह आयोजन राज्य सरकार की दूरदर्शी सोच और पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रमुख साधन के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस ट्रिप में देश के विभिन्न राज्यों—दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, चेन्नई, बेंगलुरु एवं अंडमान-निकोबार से आए लगभग 30 टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट्स ने भाग लिया। इन प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित कर उत्तर एवं दक्षिण छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया, जिससे उन्हें राज्य की विविध पर्यटन संभावनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

उत्तर छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर, मैनपाट, रामगढ़ और जशपुर जैसे स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता एवं इको-टूरिज्म संभावनाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ में कांगेर घाटी, कोंडागांव, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बारसूर एवं धुडमारास जैसे स्थलों के माध्यम से बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और प्राकृतिक वैभव का अनुभव कराया गया। फेम ट्रिप के दौरान बस्तर स्थित विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात ने प्रतिभागियों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जहां उन्होंने बोटिंग के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। चित्रकोट के प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर उन्होंने आध्यात्मिक अनुभव भी प्राप्त किया। इसके अलावा स्थानीय हाट-बाजारों का भ्रमण कर प्रतिभागियों ने जनजातीय जीवनशैली, पारंपरिक आयोजनों और सांस्कृतिक विविधता को करीब से समझा, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान है।

ऐतिहासिक नगरी बारसूर के बत्तीसा मंदिर एवं प्राचीन गणेश प्रतिमाओं का अवलोकन कर राज्य की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने बस्तर संभाग के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर पर्यटन विकास, सुरक्षा व्यवस्था एवं बुनियादी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की, जिससे राज्य में पर्यटन के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण का विश्वास मजबूत हुआ। मैनपाट एवं जशपुर क्षेत्र में इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और होमस्टे मॉडल की संभावनाओं को प्रस्तुत करते हुए राज्य सरकार की योजनाओं और पहल की सराहना की गई। कुनकुरी का गिरजाघर, राजपुरी जलप्रपात तथा केरे विलेज के महुआ होमस्टे जैसे स्थलों ने यह सिद्ध किया कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन के विविध आयाम विकसित किए जा सकते हैं।

फेम ट्रिप का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव यह है कि इसमें शामिल टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट्स अपने-अपने राज्यों में छत्तीसगढ़ को एक उभरते हुए और आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रचारित करेंगे। इससे राज्य में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, खासकर होटल, ट्रांसपोर्ट, गाइड सेवा, हस्तशिल्प एवं स्थानीय बाजारों को सीधा लाभ मिलेगा। जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन के बढ़ने से स्थानीय संस्कृति को संरक्षण एवं पहचान मिलेगी, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, इस प्रकार के आयोजनों से राज्य की सकारात्मक छवि राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत होती है, जिससे निजी निवेश को भी प्रोत्साहन मिलता है और पर्यटन अधोसंरचना के विकास को गति मिलती है। समापन समारोह में पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने ट्रैवल पार्टनर्स से छत्तीसगढ़ को देशभर में बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही बेहतर सुविधाओं, सुरक्षित वातावरण और आतिथ्य की परंपरा पर विश्वास जताया। प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने भी प्रतिभागियों से अपने अनुभवों को व्यापक स्तर पर साझा करने और अधिक पर्यटकों को छत्तीसगढ़ लाने में सहयोग करने की अपील की।

प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और आत्मीय आतिथ्य की सराहना करते हुए इसे हिडन जेम बताया और भविष्य में यहां अधिक पर्यटकों को लाने का भरोसा जताया।

यह 6 दिवसीय फेम ट्रिप छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड एवं राज्य सरकार की प्रभावी रणनीति का प्रमाण है, जो राज्य को देश के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

वैष्णो दरबार, चैतुरगढ़ और सिद्धिदात्री मंदिरों में दिख रहा नवरात्र पर्व का उल्लास

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। नव वर्ष संवत्सर प्रतिपदा के साथ आज से चैत्र नवरात्र का पावन पर्व पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हो गया। शहर और आसपास के क्षेत्रों के मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज सुनाई देने लगी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। कोरबा के प्रमुख देवी मंदिरों-सर्वमंगला, भवानी, कंकालिन, वैष्णो दरबार, महिषासुर मर्दिनी, दीपेश्वरी, कोसगईगढ़ और देवपहरी स्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ शक्ति की उपासना प्रारंभ हो गई है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिरों में पहुंचकर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना कर रहे हैं। यह पूजा क्रम रामनवमी तक निरंतर जारी रहेगा।

मंदिर प्रबंधन समितियों ने पुरोहितों के संदर्भ से बताया कि दोपहर बाद शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ घटस्थापना की जाएगी। इसके साथ ही श्रद्धा के प्रतीक जवारे बोए जाएंगे, जो पूरे नौ दिनों तक भक्तों की आस्था का केंद्र बने रहेंगे। हिन्दू परंपरा में ये खास मायने रखते है। नवरात्र के दौरान मनोकामना पूर्ति के लिए ज्योति कलश प्रज्ज्वलित करने की भी परंपरा निभाई जा रही है। कोरबा जिले के मंदिरों में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ छत्तीसगढ़, देश और विदेश में रह रहे लोगों द्वारा भी ज्योति कलश प्रज्ज्वलित कराए गए हैं, जो आस्था और विश्वास का प्रतीक बन गए हैं।नवरात्र के इस पावन अवसर पर पूरे कोरबा में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष संचार हुआ है।

हिंसा की राह छोड़, उम्मीदों की दौड़, बस्तर नई पहचान की ओर

बस्तर की वादियों में गूंजेगी बदलाव की नई आहट, बस्तर हेरिटेज मैराथन को लेकर पुनर्वासित जनों में अभूतपूर्व उत्साह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर में आपका स्वागत है, जहाँ विरासत जीवंत है और प्रकृति साँस लेती है। बस्तर हेरिटेज मैराथन में प्राचीन वन, जीवंत आदिवासी संस्कृति और मनमोहक परिदृश्य समाहित हैं। धावक साल के पेड़ों से घिरे सुरम्य मार्गों और प्राचीन गाँवों से गुजरेंगे, और हर कदम पर बस्तर की सुंदरता का अनुभव करेंगे। छत्तीसगढ़ के बस्तर में रोमांच और प्रकृति के बीच एक खास आयोजन होने जा रहा है। 22 मार्च 2026 को बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर के धावक हिस्सा ले सकेंगे। इस मैराथन की शुरुआत हगदलपुर के लाल बाग मैदान से होगी और फिनिश लाइन एशिया के नियाग्रा कहे जाने वाले चित्रकोट जलप्रपात पर होगी। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि की घोषणा की गई है।

बस्तर की शांत वादियों में इस बार केवल प्रकृति का संगीत नहीं, बल्कि बदलाव और विकास के संकल्प की एक अभूतपूर्व गूँज सुनाई देने वाली है। इस मैराथन की सबसे गौरवशाली और मानवीय तस्वीर उन आत्म-समर्पित माओवादियों के रूप में उभर कर सामने आ रही है, जो कभी दुर्गम जंगलों के अंधेरों में भटकते थे, लेकिन अब समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा बनकर इस खेल महाकुंभ में अपनी शारीरिक शक्ति और जीवटता का परिचय देने को बेताब हैं। हिंसा का मार्ग त्याग कर शांति की राह चुनने वाले इन युवाओं का यह उत्साह इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि बस्तर अब पुराने संघर्षों के साये से बाहर निकलकर खेल, साहस और शौर्य के वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है।

इस मैराथन में 42 कि.मी., 21 कि.मी., 10 कि.मी. और 5 कि.मी. जैसी अलग-अलग कैटेगरी रखी गई हैं, ताकि हर स्तर के रनर्स इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी रखी गई है और बस्तर संभाग के धावकों के लिए अलग से पुरस्कार की व्यवस्था की गई है। यह आयोजन बस्तर की प्राकृतिक खूबसूरती, संस्कृति और खेल भावना को एक साथ जोड़ने का खास मौका बनने जा रहा है।

बस्तर की फिज़ाओं में अब हिंसा के बारूद की नहीं, बल्कि उम्मीदों और सपनों की उड़ान की खुशबू तैर रही है। कभी जिन हाथों में बंदूकें हुआ करती थीं और जो पैर घने जंगलों की खाक छानते थे, वे अब बस्तर मैराथन के ट्रैक पर अपनी किस्मत आजमाने और एक नई पहचान बनाने को पूरी तरह तैयार हैं। दंतेवाड़ा के लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान और पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) जैसे प्रभावी पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से दर्जनों पूर्व नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने का ऐतिहासिक फैसला किया है। शासन की कल्याणकारी पुनर्वास नीति के तहत ये युवा अब अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर रहे हैं और जंगल की संकरी पगडंडियों पर छिपने के बजाय मैराथन की फिनिशिंग लाइन को छूने का लक्ष्य लेकर कड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं।

स्थानीय खेल मैदानों में आयोजित अभ्यास सत्रों के दौरान इन युवाओं का जोश देखते ही बनता है, जहाँ पसीने से तर-बतर चेहरे और दृढ़ संकल्प वाली आँखें बस्तर के बदलते स्वरूप की गवाही दे रही हैं। प्रशिक्षकों का मानना है कि इन युवाओं में अदम्य साहस और बेमिसाल स्टेमिना है, जिसे अब आधुनिक रनिंग तकनीकों के माध्यम से तराशा जा रहा है ताकि वे न केवल दौड़ें, बल्कि जीत का परचम भी लहरा सकें।

इस बदलाव का मानवीय पक्ष तब और उभर कर आता है जब शिविर की महिला प्रतिभागी भावुक होकर बताती हैं कि डर के साये से निकलकर अब उन्हें समाज में सम्मान और सुरक्षा मिल रही है। यह अनूठी पहल केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जंगल की हिंसा और भटकाव को पीछे छोड़कर एथलेटिक्स में करियर बनाने का एक सुनहरा अवसर है। अनुभवी कोचों द्वारा दी जा रही प्रोफेशनल ट्रेनिंग इन युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बना रही है, जिससे वे स्थानीय समुदाय के साथ जुड़कर एक नई पहचान तलाश रहे हैं।

ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को करें सुदृढ़- डोमन सिंह

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक में ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जल प्रदाय योजनाओं के समुचित संधारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में सभी क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए, इसके लिए संबंधित विभाग सतर्कता के साथ कार्य करें।

कमिश्नर ने सुधार योग्य नल-जल योजनाओं तथा सोलर ड्यूल पंपों की शीघ्र मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही अभियान चलाकर हैंडपंपों की मरम्मत करने तथा आवश्यक राइजिंग पाइप एवं अन्य स्पेयर पार्ट्स की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकता के अनुरूप अन्दरूनी बसाहटों में नए हैंडपंप स्थापित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर आम जनता के लिए पर्याप्त संख्या में प्याऊ खोलने के निर्देश दिए, ताकि गर्मी में लोगों को सहज रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। बैठक में कमिश्नर ने बस्तर हेरिटेज मैराथन आयोजन में अधिकाधिक धावकों को शामिल करने हेतु ज्यादा से ज्यादा पंजीयन करवाने पर बल देते हुए स्थानीय खेल संघों और संगठनों से समन्वय किए जाने कहा।

कमिश्नर ने कहा कि सभी संभाग स्तरीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर मॉनिटरिंग करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करें। साथ ही मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों की मुख्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करें। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने बैठक के दौरान राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए रिकार्ड रूम को निर्वाचन की स्ट्रांग रूम की तरह बनाने पर जोर देते हुए कहा कि अभिलेख डिजिटाइजेशन सहित स्वच्छता एवं साफ-सफाई रखकर नियमित तौर पर दवाई का छिड़काव करें और अग्निशमन यंत्र की अनिवार्य रूप से व्यवस्था करें। रिकार्ड रूम के विद्युत कट-आउट बाहर लगे होने चाहिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण पर भी विशेष जोर दिया। कमिश्नर ने वनाधिकार पत्रों के नामांतरण-बंटवारा प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत किए जाने कहा। वहीं राजस्व अभिलेखों और वनाधिकार पत्रों के अभिलेखों को रिकार्ड रूम में जमा करने की कार्यवाही में अद्यतन प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने लोक निर्माण, छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कम्पनी, जल जीवन मिशन सहित राष्ट्रीय राजमार्ग और क्रेडा के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि वर्किंग सीजन में निर्माण कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर उन्हें द्रुत गति चलाए जाने कहा। कमिश्नर ने स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र भवनों में विद्युत कनेक्शन प्रदान करने कहा। वहीं सिंचाई पम्पों के विद्युतीकरण सहित अंदरूनी ईलाके के मजरा-टोला विद्युतीकरण को प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने खेती-किसानी हेतु किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदाय करने सहित मछलीपालन एवं पशुपालन के लिए भी ज्यादा से ज्यादा मत्स्यपालकों, पशुपालकों एवं ग्रामीणों को केसीसी प्रदाय किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही संभाग में मछलीपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनांतर्गत नवीन संवर्धन पोखर निर्माण तथा कैच कल्चर निर्माण के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर आवश्यक सहायता प्रदान किए जाने कहा। बैठक में अपर कलेक्टर सीपी बघेल एवं ऋषिकेश तिवारी, डिप्टी कमिश्नर गीता रायस्त सहित संभाग स्तरीय अधिकारी और नोडल अधिकारी मौजूद थे। एसडीएम, तहसीलदार सहित स्वास्थ्य, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी वर्चुअल तौर पर जुड़े रहे।

मोतियाबिंद जांच एवं उपचार पर बल

कमिश्नर ने मोतियाबिंद जांच एवं उपचार पर जोर देते हुए दोनों आंख में मोतियाबिंद पीड़ितों का पहले ऑपरेशन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित एसओपी के अनुसार ऑपरेशन थियेटर की उपलब्धता के आधार पर ही जिला अस्पताल में ऑपरेशन किया जाए या फिर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर एवं कांकेर तथा महारानी अस्पताल के अम्बक नेत्र चिकित्सालय में भेजकर पीड़ितों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग से दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय करने के लिए संवेदनशीलता के साथ पहल किए जाने के निर्देश दिए। इस हेतु ग्राम पंचायतों से जानकारी एकत्र कर चिन्हाकन शिविर में दिव्यांगजनों का चयन करने सहित उनकी जरूरत के अनुरूप कृत्रिम अंग उपकरण प्रदाय किया जाए।

जिले में शिशु संरक्षण माह का हुआ शुभारंभ बच्चों को मिलेगा पोषण सुरक्षा का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। जिले में शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कवर्धा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. के. तुरे द्वारा बच्चों को विटामिन ए सिरप पिलाकर किया गया। यह अभियान 21 अप्रैल 2026 तक निर्धारित तिथियों में जिलेभर के स्वास्थ्य एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित होगा। अभियान के तहत जिले में 93,273 बच्चों को विटामिन ए तथा 98,759 बच्चों को आयरन सिरप (आई.एफए.) पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डॉ. तुरे ने बताया कि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में कुपोषण जनित बीमारियों को कम करने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अंतर्गत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को वर्ष में दो बार विटामिन ए अनुपूरण एवं 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आयरन सिरप प्रदान किया जाएगा। शिशु संरक्षण माह के दौरान विभिन्न सत्रों में बच्चों को विटामिन ए एवं आयरन सिरप देने के साथ-साथ नियमित टीकाकरण, वजन मापन, गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान तथा उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्रों में उपचार एवं आहार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अनुपमा तिवारी ने बताया कि अभियान की शत-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, मितानिनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पूर्व में प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि कोई भी पात्र बच्चा इस लाभ से वंचित न रह जाए। निर्धारित तिथियों में अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर बच्चों को विटामिन ए एवं आयरन सिरप अवश्य पिलाएं।

खास खबर

युवती की हत्या कर पराली में जलाया शव

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां अज्ञात युवती की हत्या कर उसके शव को पराली के ढेर में जलाने का मामला सामने आया है। इस खौफ नाक वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मामला अर्जुंदा थाना क्षेत्र के ग्राम चीचा का है। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने गांव में रखे पराली के ढेर में आग लगते देखी। आग बुझाने के लिए जब लोग मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने पराली के बीच एक युवती का जलता हुआ शव देखा। सूचना मिलते ही अर्जुंदा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि युवती की पहले हत्या की गई और बाद में सबूत मिटाने के इरादे से शव को पराली के ढेर में लाकर जला दिया गया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतका की पहचान के प्रयास जारी हैं। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस जघन्य घटना के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है।

अंतर्राज्यीय ठग गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

अम्बिकापुर। सरगुजा पुलिस ने ठगी के एक बड़े अंतर्राज्यीय मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों ने फर्जी सोने का लालच देकर लाखों की ठगी की थी, लेकिन पुलिस की तत्परता ने इन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। डीआईजी और एसएसपी सरगुजा के दिशा-निर्देशन में कोतवाली थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश और गुजरात में दबिश देकर कुल 4 शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। सरगुजा पुलिस की इस सख्त कार्यवाही ने साफ कर दिया है कि अपराधी चाहे किसी भी राज्य में छिप जाएं, कानून के हाथ उन तक जरूर पहुंचेंगे। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस गिरोह के अन्य नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

रायपुर। शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की वारदातों पर रायपुर पुलिस ने बड़ा प्रहार करते हुए एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना खम्हारडीह पुलिस ने दो वाहन चोरों के साथ एक अवैध चाबी निर्माता को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 4 लाख 40 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कचना स्थित शराब दुकान के पास कुछ संदिग्ध युवक चोरी के वाहन बेचने की फिराक में ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान जब आरोपी वाहन के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके, तब सख्ती से पूछताछ में उन्होंने चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल कर लिया।

दो साल से फरार वारंटी हुए गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। अकलतरा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब दो वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था, जिसे पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र कुमार सांडे, निवासी पोड़ीदलहा थाना अकलतरा, के खिलाफ वारंट जारी था और वह फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने सतत निगरानी और मुखबिर सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक भास्कर शर्मा के नेतृत्व में अकलतरा थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

भिलाई स्टील प्लांट से स्क्रैप चोरी गिरोह का भंडाफोड़

मास्टरमाइंड गिरफ्तार, 1030 किलो स्क्रैप जब्त, 5 फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) से स्क्रैप चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य अभी फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 16 मार्च 2026 को हुई थी। आरोपियों ने भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्टिंग यार्ड के पास अवैध रूप से प्रवेश कर लोहे के स्क्रैप को निशाना बनाया। यह क्षेत्र प्लांट का एक संवेदनशील हिस्सा है, जहां आम लोगों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। 17 मार्च को बीएसपी की सुरक्षा इकाई की शिकायत पर थाना भिलाई भट्ठी में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और संदिग्धों की तलाश तेज कर दी। जांच के दौरान, आरोपी राकेश कुमार सोनकर को हिरासत में लिया गया, जिसने पूछताछ में अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की।

पुलिस ने पिकअप जब्त किया

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी स्क्रैप को एक पिकअप में भरकर प्लांट से बाहर ले जा रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1030 किलोग्राम लोहे का स्क्रैप और घटना में इस्तेमाल किया गया पिकअप वाहन जब्त कर लिया है। जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत लाखों रुपए आंकी गई है।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

इस मामले में कुल छह आरोपियों के नाम सामने आए हैं। राकेश कुमार सोनकर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि आकाश राव पुरके, नरेश कलेथ, पुष्पेंद्र दीप, मनोज कुम्भार और मनोज कुमार गुप्ता अभी फरार हैं। पुलिस इन फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

फायदे के लिए संगठित तरीके से चोरी

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि आरोपी औद्योगिक क्षेत्र से स्क्रैप चोरी कर अवैध रूप से बेचकर मुनाफा कमाने के इरादे से इस तरह की वारदात को अंजाम दे रहे थे। गिरोह काफी समय से सक्रिय होने की आशंका भी जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मुख्य आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के नेटवर्क और अन्य वारदातों की जानकारी जुटा रही है। जल्द ही फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

बाइक की टक्कर से हिरण की मौत

वन विभाग की टीम अंतिम संस्कार की कर रही तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर-बीजापुर एनएच-63 पर गुरुवार की दोपहर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक हिरण की मौत हो गई है। बाइक चालक को भी गंभीर चोट आई है। हादसा गुमरगुंडा के नजदीक हुआ है। बताया जा रहा है कि पोस्टमार्टम के बाद हिरण के शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी है। मामला गीदम थाना क्षेत्र का है।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल बाइक चालक को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हिरण अचानक सड़क पर आ गया, जिससे बाइक चालक संभल नहीं पाया और जोरदार टक्कर हो गई। मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

मृत हिरण को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू की। वन विभाग हिरण के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। इस घटना के बाद इलाके में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि नेशनल हाईवे पर आए दिन जंगली जानवर हादसों का शिकार हो रहे हैं। इस मामले को लेकर फिलहाल आधिकारिक रूप से कोई पुष्टि नहीं हुई है।

राजस्थान से पकड़ा गया गांजा का खरीदार छत्तीसगढ़ के रास्ते ओडिशा से मंगवाया था

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर जिले में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में पुलिस ने गांजा तस्करी के मुख्य खरीददार को राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है। मामला नगरनार थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के अनुसार, मोहम्मद नावेद उर्फ नाजिम (31) निवासी सुकेत, जिला कोटा (राजस्थान) को 17 मार्च 2026 को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में 27 अक्टूबर 2025 को पुलिस ने आरोपी मुराद साह को गिरफ्तार किया था, जो ओडिशा से जगदलपुर की ओर गांजा परिवहन कर रहा था।

पुलिस ने उसके कब्जे से 73.080 किलो गांजा (कीमत 7.30 लाख रुपए), आयशर 1114 ट्रक (कीमत 10 लाख रुपए), 8 प्लास्टिक बैग (टनफिक्स मटेरियल), 1 मोबाइल फोन, नगद 2300 रुपए कुल मिलाकर 17.43 लाख रुपए का माल जब्त किया था।

पूछताछ के दौरान मुराद साह ने खुलासा किया कि उसने गांजा ओडिशा से लाने के लिए राजस्थान निवासी मोहम्मद नावेद उर्फ नाजिम से रकम ली थी। आरोपी ने नगद और फोनपे के माध्यम से पैसे देकर गांजा मंगवाया था।

कोटा से पकड़ा गया फरार आरोपी

मुख्य आरोपी की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग और नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के निर्देशन में टीम गठित की गई। टीम को राजस्थान भेजा गया, जहां से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने गांजा तस्करी के लिए पैसे देना स्वीकार कर लिया।

दुर्ग में नौकरी-दिलाने के नाम पर 10 लाख ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई है। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाली सहायक ग्रेड-3 कर्मचारी प्रिया देशमुख को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला पदमनाभपुर थाना क्षेत्र का है। सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ महिला कर्मचारी ने बिजली विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती से 10 लाख रुपए ठग लिए। इससे पहले भी प्रिया देशमुख ने एक और युवक से नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की थी।

भिलाई सेक्टर-7 की रहने वाली 29 साल की पायल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पायल ने बताया कि 2 अगस्त 2023 को महाराजा चौक स्थित दुकान में उसकी मुलाकात प्रिया देशमुख से हुई थी।

बातचीत के दौरान प्रिया ने खुद को प्रभावशाली बताते हुए कहा कि वह छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी में सब इंजीनियर या एई पद पर नौकरी लगवा सकती है। उसने फर्जी जॉइनिंग लेटर भी दिया था।

20 लाख की थी डिमांड, 10 लाख लिए एडवांस

दरअसल प्रिया देशमुख ने पीड़ित से नौकरी दिलाने के नाम पर 20 लाख रुपए की मांग की थी। शुरुआत में 10 लाख रुपए एडवांस के तौर पर लिए गए। भरोसा दिलाने के लिए आरोपी महिला ने पायल को छत्तीसगढ़ मंत्रालय में पदस्थ अपने एक सहयोगी रजत गुप्ता से मिलवाया। दोनों ने

मिलकर युवती को यकीन दिलाया कि उसकी नौकरी पक्की है।

सर्किट हाउस में बुलाकर दिया था ज्वाइनिंग लेटर

इसके बाद नवंबर 2023 में रायपुर के सर्किट हाउस में पायल को एई पद का एक जॉइनिंग लेटर दिया गया। बाद में जांच करने पर यह नियुक्ति पत्र फर्जी निकला। ठगी का अहसास होने पर पीड़िता ने पदमनाभपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और 24 घंटे के भीतर आरोपी प्रिया देशमुख को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और साजिश की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले में शामिल दूसरे आरोपी रजत गुप्ता की तलाश जारी है।

पति के साथ मिलकर पहले भी ठग चुकी है महिला

स्वास्थय विभाग में पदस्थ बाबू प्रिया देशमुख ने पहले अपने पति प्रशांत कुमार देशमुख के साथ मिलकर भी इस तरह की ठगी को अंजाम दिया है। इससे पहले भी वह अपने पति के साथ मिलकर एक युवक से नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपए ले चुकी है। उस मामले में भी फर्जी नियुक्ति पत्र देकर ठगी की गई थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर पैसे ऐंठती थी। भरोसा जीतने के लिए फर्जी दस्तावेज और नकली नियुक्ति पत्र देती थी। इस बार भी उसने यही तरीका अपनाया।

पुलिस ने जब्त किया फर्जी ज्वाइनिंग लेटर

पुलिस ने आरोपियों के पास से फर्जी नियुक्ति पत्र की ई-मेल प्रिंट कॉपी, मोबाइल फोन सहित अन्य दस्तावेज जब्त किए। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच जारी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं और लोगों से इसी तरह ठगी तो नहीं हुई।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

नहर में मिली नवजात शिशु की लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के बारगांव गांव में एक नहर से नवजात शिशु का शव बरामद किया गया है। राहगीरों की सूचना पर पामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी अस्पताल पामगढ़ के मर्चुरी में रखवाया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह नवजात शिशु लगभग 6-7 माह का बताया जा रहा है, जिसका शव पानी में बहता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने इसे देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। पामगढ़ थाना प्रभारी सावन सारथी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। टीम ने नहर से नवजात शिशु के शव को बाहर निकाला।

1 से 2 दिन पुराना शव

उन्होंने पुष्टि की कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी अस्पताल पामगढ़ के मर्चुरी में रखा गया है। नवजात शिशु का शव 1 से 2 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। डॉक्टरों की टीम द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा और कुछ अंगों को जांच के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद इस मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

नारायणा स्कूल पर फीस बढ़ाने समेत 16 अनियमितताओं के आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शहर के नारायणा ई-टेक्नो स्कूल पर गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं के कई आरोप लगे हैं। प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने राज्य के शिक्षा नियमों की अवहेलना करते हुए संचालन किया और अभिभावकों व शिक्षकों के शोषण का आरोप है।

स्कूल पर आरोप है कि बिना फीस फिक्सेशन कमेटी की अनुशंसा के 8 प्रतिशत फीस वृद्धि की गई। साथ ही, प्रदेश में संचालित शाखाओं का कोई स्थानीय बैंक खाता नहीं है और अभिभावकों से ली गई फीस सीधे मुंबई या नेल्लोर स्थित नारायणा एजुकेशन सोसाइटी के खातों में क्यूआर कोड के माध्यम से जमा कराई जा रही है। यह वित्तीय पारदर्शिता और स्थानीय नियामक नियंत्रण का उल्लंघन माना जा रहा

है। शिक्षकों को प्रति छात्र 2000 रुपए एडमिशन कमीशन देने का प्रलोभन देने, यूनिफार्म और किताबें महंगे दाम पर उपलब्ध कराने और रायपुर ब्रांच के 250 छात्रों का रजिस्ट्रेशन बिलासपुर से कराने जैसी 16 गंभीर अनियमितताओं के आरोप स्कूल पर लगे हैं। नियम के अनुसार स्कूल को नॉन-प्रॉफिट संस्था के रूप में संचालित होना चाहिए, लेकिन नारायणा एजुकेशन की शाखाएं व्यवसायिक संस्था एनस्पिरा से जुड़ी हैं। एनस्पिरा यूनिफार्म और किताबें बनाकर स्कूलों को देती है और उन्हें अभिभावकों को ऊंची कीमत पर बेचना पड़ता है।

आरोप है कि स्कूल ने सीबीएसई से मान्यता होने का भ्रम देकर मोटी फीस वसूली, जबकि सीनियर सेकंडरी लेवल की मान्यता सीबीएसई ने 1 मार्च 2026 से 31 मार्च 2031 तक के लिए उन्हें एडमिशन लेने के बाद प्रदान की है। ट्रबिना फीस फिक्सेशन कमेटी की अनुमति के किसी भी तरह की फीस बढ़ोतरी गंभीर मामला है। इसके साथ ही स्कूल में सामने आने वाली अन्य अनियमितताओं की भी पूरी जांच की जाएगी। यदि जांच में कमी पाई जाती है तो स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विजय टांडे, जिला शिक्षा अधिकारी फीस फिक्सेशन कमेटी के लिए शिक्षा विभाग को पहले पत्र लिखा गया था, लेकिन उसका जवाब नहीं मिला। इसके बाद एक रिमाइंडर भी भेजा गया। उन्होंने कहा कि स्कूल पर लगाए जा रहे आरोप गलत हैं और संस्था सरकार के सभी तय नियमों के अनुसार स्कूल का संचालन कर रही है।

जैजैपुर थाने से आरोपी फरार, चार पुलिसकर्मी निलंबित

सक्ती। जिले के जैजैपुर थाना से एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां पुलिस हिरासत में रखा गया आरोपी फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 में धारा 454 और 380 आईपीसी के तहत दर्ज मामले में आरोपी सुरेंद्र पटेल को पुलिस ने पकड़कर रात में थाने लाया था। लेकिन सुरक्षा में चूक के चलते वह पुलिस की निगरानी से भागने में सफल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ड्यूटी पर तैनात चार पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे घटनाक्रम की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं।

कार्यालय जिला पंचायत, दुर्ग (छ.ग.)
E-mail id-dmmudurg@gmail.com Phone No-0788-2211933
File No.:GENCOR/6986/2026-CEO ZP NRLM FM SEC DUR
क्र./ / जि.पं.-1 / NRLM/2025-26 दुर्ग, दिनांक / / 2026
// विज्ञापन //
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान जिला दुर्ग के जनपद पंचायत स्तर पर रिक्त पदों की पूर्ति किये जाने हेतु विज्ञापन दिनांक 18.03.2026 जारी करते हुए दिनांक 09.04.2026 तक आवेदन पत्र आमत्रित किये गये है। विज्ञापन का विस्तृत अवलोकन दुर्ग जिले के वेब-साइट www.durg.gov.in किया जा सकता है एवं आवेदन पत्र प्रारूप को डाउनलोड भी किया जा सकता है।
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जिला पंचायत दुर्ग (छ.ग.)
संवाद- 47245/3

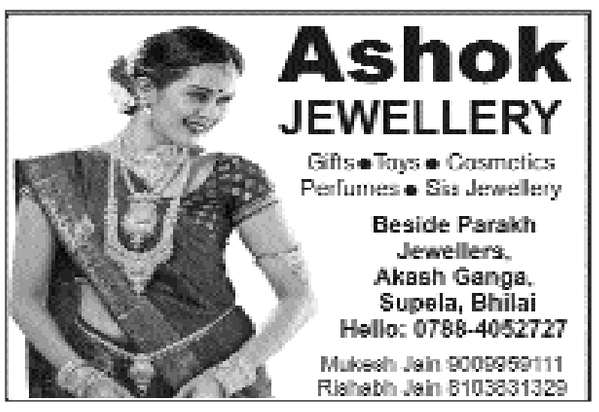

खास खबर

नेशनल ट्राइबल गेम्स : रायपुर में होंगे हॉकी, फुटबॉल, तैराकी, तीरंदाजी और वेट-लिफ्टिंग के आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में देशभर के जनजातीय खिलाड़ी सात खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इसमें देश के 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 3000 खिलाड़ी भागीदारी करेंगे। आयोजन के दौरान पुरूष एवं महिला वर्गों में राजधानी रायपुर में पांच खेलों तथा बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर और सरगुजा संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में एक-एक खेल होंगे। इसमें छत्तीसगढ़ के कुल 164 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 86 पुरूष और 78 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। तीनों शहरों में नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए चिन्हांकित खेल स्थलों व मैदानों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार करने का काम जोरों पर है। रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान और स्वामी विवेकानंद एथलेटिक्स स्टेडियम कोटा में फुटबॉल की प्रतियोगिताएं होंगी। रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में हॉकी की स्पर्धाएं होंगी। वहीं रायपुर के अंतरराष्ट्रीय स्वीमिग पूल में तैराकी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग संचालनालय के ओपन मैदान में तीरंदाजी तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ओपन ग्राउंड में वेट-लिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी। जगदलपुर के धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स और अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में कुश्ती की प्रतियोगिताएं होंगी। खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में देश के दो परंपरागत खेलों कबड्डी और मलखंब को भी डेमो गेम्स के रूप में शामिल किया गया है। कबड्डी की स्पर्धाएं रायपुर के सरदार बलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम और मलखंब का प्रदर्शन अंबिकापुर के गांधी स्टेडियम में होगा।

सरहुल उत्सव जनजातीय संस्कृति की विशिष्ट धरोहर : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर के दीपू बगीचा में आयोजित पारंपरिक सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने धरती माता, सूर्य देव एवं साल वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा और समृद्ध फसल की कामना की। सरहुल की पारंपरिक रस्म के तहत पूजा कराने वाले बैगा द्वारा मुख्यमंत्री के कान में सरई (साल) फूल खोंचकर शुभ आशीष प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने जिलेवासियों को सरहुल उत्सव एवं हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरहुल महोत्सव सदियों से प्रकृति, धरती और जीवन के संतुलन का प्रतीक रहा है। बैगा, पाहन एवं पुजारी द्वारा की जाने वाली पूजा-अर्चना केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि यह पर्व जनजातीय समाज की समृद्ध सभ्यता और संस्कृति का जीवंत प्रतीक है, जिसे सहेजकर रखना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता से किए गए वादों को तेजी से पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किश्तों में 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि जारी किए जा चुके हैं, जिससे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। वहीं 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा में प्रस्तुत धर्म स्वातंर्त्य विधेयक भी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करेगा।

उल्लेखनीय है कि सरहुल परब चैत्र माह में मनाया जाने वाला उरांव समुदाय का प्रमुख पर्व है, जो प्रकृति के नवजीवन और ऋतु परिवर्तन का प्रतीक है। इस पर्व में धरती माता और सूर्य देव के प्रतीकात्मक विवाह के साथ सामूहिक पूजा की जाती है। सरना स्थल पर पारंपरिक विधि से पूजा-अर्चना, प्रसाद वितरण और लोकनृत्य-गीतों के माध्यम से सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ किया जाता है। घर-घर सरई फूल और पवित्र जल का वितरण कर सुख-समृद्धि की कामना की जाती है।

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजी 100 से अधिक महिलाओं एवं युवतियों की टोली ने मनमोहक सरहुल नृत्य प्रस्तुत किया। मांदर की गूंजती थाप और उत्साह से भरे वातावरण ने पूरे परिसर को जनजातीय संस्कृति के रंग में रंग दिया, जहां जनसैलाब उमड़ पड़ा और उत्सव का उल्लास चरम पर रहा।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री योगेश बापट, विधायक गोमती साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जशपुर को विकास की नई सौगात

मुख्यमंत्री साय ने 19.51 करोड़ के 6 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुरनगर में पुलिस लाइन हेलीपैड के समीप कुल 19 करोड़ 51 लाख 78 हजार रुपए की लागत से 6 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्र को विकास की नई सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगर पालिका जशपुर के वार्ड क्रमांक 18 भागलपुर में 35.46 लाख रुपए की लागत से मुक्तिधाम निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 16 में 6.76 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक ऑडिटोरियम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं से शहरवासियों को बेहतर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चार प्रमुख सड़कों के निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया। इनमें 2.89 करोड़ रुपए लागत से चटकपुर-रेंगारबहार मार्ग, 3.01 करोड़ रुपए लागत से कुनकुरी-औंरीजोर-मतलूटोली-पटेल पारा मार्ग, 3.29 करोड़ रुपए लागत से रानीबंध-चिड़ाटांगर-उपरकछार मार्ग तथा 3.18 करोड़ रुपए लागत से धुरीअम्बा-कटुखोसा मार्ग का निर्माण शामिल है। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार और ग्रामीण अंचलों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई दिशा और गति मिलेगी। इस अवसर पर विधायक गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

पक्की छत से प्राणसाय के परिवार को मिली सुकून की जिन्दगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को निरंतर उनके सपनों का आशियाना मिल रहा है। इसी कड़ी में कोरिया जिले में मुख्यालय बैकुण्ठपुर से लगे ग्राम पंचायत आमापारा में रहने वाले श्री प्राण साय भी उन्ही हितग्राहियों की सूची में शामिल हैं, जिनके परिवार के सपनों का पक्का मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से बनकर तैयार हो गया है। अब पूरा परिवार प्रधानमंत्री आवास की पक्की छत के नीचे सुकून से जीवन व्यतीत कर रहा है।

ग्राम पंचायत आमापारा के निवासी प्राण साय, पिता शिवप्रसाद, एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखते हैं। उनका परिवार कुल 6 सदस्यों का है, जो वर्षों से खेती-किसानी और मजदूरी के सहारे अपना जीवन

यापन कर रहा है।खेती से मिलने वाली सीमित आय मौसम पर निर्भर रहती और मनरेगा के होने वाले ग्राम पंचायत में उपलब्ध कार्यों से आय के साधन भी सीमित ही रहते। ऐसे मे पक्के मकान का सपना केवल सपना ही था।

सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने हमेशा मेहनत और ईमानदारी से जीवन यापन करने वाले हितग्राही प्राणसाय का पूरा परिवार पहले एक कच्चे मकान में रहता था। यह मकान बारिश के मौसम में बहुत असुरक्षित हो जाता था। छत से पानी टपकना, दीवारों का कमजोर होना और घर के अंदर पानी भर जाना जैसी समस्याएं आम थीं। हर साल बरसात उनके लिए चिंता और परेशानी लेकर आती थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राही प्राण साय ने अपने पक्के आवास निर्माण के दौरान परिवार सहित मेहनत की और मनरेगा योजना के अंतर्गत उन्हें 90 दिनों की मजदूरी भी प्राप्त हुई। प्राणसाय के लिए यह केवल एक घर नहीं, बल्कि उनके सपनों का साकार रूप भी है। अब उनका परिवार सुरक्षित छत के नीचे रह रहा है। बारिश का मौसम अब उनके लिए डर का कारण नहीं, बल्कि सुकून का समय बनकर आएगा।

प्राणसाय प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि सपनों का आवास पूरा होने के बाद उनके जीवन में और पूरे परिवार में सकारात्मक बदलाव आया है। बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिला, परिवार के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है और सामाजिक स्तर पर भी उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन 22 मार्च को जगदलपुर में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेलों को बढ़ावा देने और बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर लाने के उद्देश्य से बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह आयोजन राज्य के लिए एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। 22 मार्च को आयोजित होने वाली यह मैराथन जगदलपुर के लालबाग मैदान से प्रारंभ होकर चित्रकोट जलप्रपात तक पहुंचेगी। यह रूट प्रतिभागियों को बस्तर के प्राकृतिक और ऐतिहासिक सौंदर्य से रूबरू कराएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह आयोजन 'रन फॉर नेचर-रन फॉर कल्चर' की थीम के साथ राज्य की पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करेगा।

उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए छत्तीसगढ़ आएंगे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उज्बेकिस्तान के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी आगामी शैक्षणिक वर्ष से कृषि के क्षेत्र में उच्च शिक्षा तथा अनुसंधान हेतु छत्तीसगढ़ आएंगे और छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी अध्ययन एवं अनुसंधान हेतु उज्बेकिस्तान जाएंगे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर तथा उज्बेकिस्तान के पांच विश्वविद्यालयों के मध्य कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग हेतु समझौते किये गए हैं।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व वाले प्रतिनिधि मंडल के विगत दिनों उज्बेकिस्तान प्रवास के दौरान ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी, समरकंद स्टेट वेटेरिनरी, तेरमेज़ इंस्टीट्यूट तथा देनोव इंस्टीट्यूट के बीच शिक्षा, अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग हेतु अनेक समझौते हस्ताक्षरित किए गए। इन समझौतों से छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रमों संयुक्त अनुसंधान पहलों, शैक्षणिक गतिशीलता और अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है जिससे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की वैश्विक भागीदारी बढ़ेगी।

कुलपति डॉ. चंदेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने उज्बेकिस्तान के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशी जिनमें चांवल अनुसंधान, औषधीय फसलों की खेती, जैव प्रौद्योगिकी और कृषि उद्यमिता प्रमुख हैं। प्रतिनिधिमंडल ने उज्बेकिस्तान में कृषि आधारित उद्योगों के विकास में भारतीय किसान उत्पादक संगठनों की भागीदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उज्बेकिस्तान के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु काफी रूचि दिखाई। डॉ. चंदेल ने आशा व्यक्त की कि जिस प्रकार बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल शिक्षा के लिए उज्बेकिस्तान जाते हैं उसी प्रकार भविष्य में उज्बेकिस्तान के विद्यार्थी कृषि शिक्षा प्राप्त करने लिए छत्तीसगढ़ आएंगे।

उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार के परिप्रेक्ष्य में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का एक प्रतिनिधिमंडल कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के नेतृत्व में 28 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक उज्बेकिस्तान के दौरे पर गया था। यह भ्रमण भारतीय एवं उज्बेक संस्थानों के बीच शैक्षणिक संबंधों को सुदृढ़ करने तथा कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, संरक्षित खेती, कृषि उद्यमिता एवं प्रमुख फसलों की मूल्य श्रृंखला विकास में सहयोग की संभावनाओं का अन्वेषण करने हेतु किया गया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं शासकीय प्रतिनिधियों से भेंट कर संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान सहयोग एवं संस्थागत साझेदारी के अवसरों की पहचान की। प्रतिनिधि मंडल में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. हुलास पाठक भी शामिल थे। इस यात्रा का उद्देश्य कृषि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना था साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान के बीच दीर्घकालिक संस्थागत साझेदारी का निर्माण करना था।

यात्रा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उजबेकिस्तान के प्रमुख विश्वविद्यालयों अनुसंधान संस्थानों और नीति संगठनों के साथ जुड़कर कृषि विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी कृषि उद्यमिता संरक्षित खेती और मूल्य श्रृंखला विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का पता लगाया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पाँच प्रमुख सस्थानो, तेरमेज़ पेडागोजिकल इंस्टीट्यूट, डेनोव इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एक पेडागोजी, ताशकंद स्टेट एग्रेरियन यूनिवर्सिटी, बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी और समरकंद स्टेट वेटरनरी यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। प्रतिनिधिमंडल ने ताशकंद में प्रत्यायन और रेटिंग अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी के साथ भी एक विस्तृत बैठक की। इस यात्रा ने उज्बेकिस्तान की तेजी से विस्तार कर रही उच्च शिक्षा प्रणाली के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की और कौशल विकास, संकाय प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण समाधानों में सहयोग के नए रास्ते खोले।

तेरमेज पेडागोजिकल इंस्टीट्यूट में एक एमओयू को औपचारिक रूप दिया गया और शैक्षणिक सहयोग तथा पाठ्यक्रम विकास पर चर्चा हुई। डेनोव इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड पेडागोजी में प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ उच्च्य स्तरीय बातचीत में भाग लिया जिसमें उद्यमिता शिक्षा जैव प्रौद्योगिकी और कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाया गया। उच्च शिक्षा में उनके शैक्षणिक योगदान और नेतृत्व के सम्मान में डॉ गिरीश चंदेल और प्रो हुलास पाठक को उनकी यात्रा के दौरान विजिटिंग प्रोफेसरशिप सम्मान से सम्मानित किया गया।

झारखंड के जनसंपर्क विभाग की टीम ने छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा प्रकाशित 'रोजगार और नियोजन' की ली जानकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। युवाओं को रोजगार संबंधी जानकारी सुलभ कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। आज झारखंड के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की टीम ने छत्तीसगढ जनसंपर्क की सहयोगी संस्था छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय पत्रिका 'रोजगार और नियोजन' का अवलोकन कर जानकारी ली। टीम को साप्ताहिक पत्रिकारोजगार और नियोजन पत्रिका के संबंध में सहायक संपादक गीतांजली नेताम ने रोजगार और नियोजन पत्रिका की पाठ्य सामग्री, स्वरूप और युवाओं के लिए उपयोगी जानकारी दी।

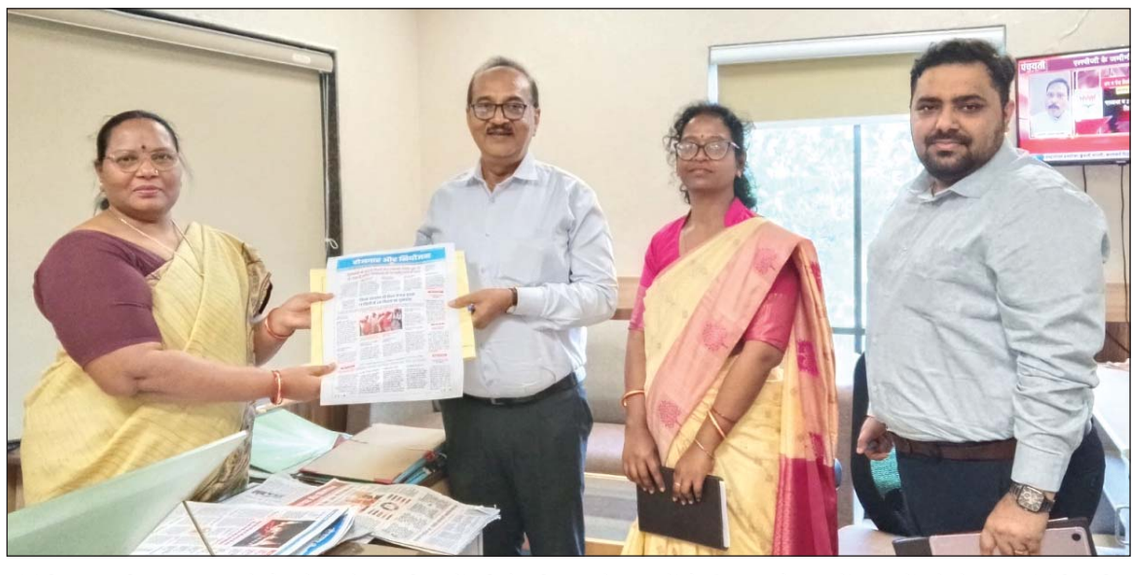

झारखंड की टीम ने रोजगार और नियोजन पत्रिका की सराहना की द्य टीम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग झारखंड के डिप्टी डायरेक्टर आनंद कुमार, विभाग की प्रतिनिधि सुनीता धान तथा विधि सलाहकार अमन कुमार शामिल रहे।

झारखण्ड की टीम के अधिकारियों ने बताया कि झारखंड के युवाओं को भी इसी प्रकार की विश्वसनीय और संगठित रोजगार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में 'रोजगार और नियोजन' जैसी पत्रिका प्रकाशित करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए वे इस प्रकाशन की प्रति लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी प्रस्तुत करेंगे। टीम के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार की पत्रिका प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें सरकारी नौकरियों, योजनाओं और कैरियर मार्गदर्शन से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होती है। इस पहल को लेकर टीम ने उम्मीद जताई जा रही है कि यदि यह योजना साकार होती है, तो झारखंड के हजारों युवाओं को रोजगार संबंधी सटीक और समय पर जानकारी मिल सकेगी, जिससे उनके भविष्य निर्माण में सकारात्मक योगदान मिलेगा। झारखण्ड की टीम के छत्तीसगढ संवाद भ्रमण के अवसर पर रोजगार और नियोजन से संबद्ध अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950